आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, शुक्रवार 02 जनवरी 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 58

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

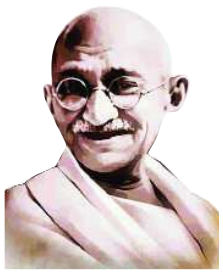

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

प्रदेश में मौसम का बदला मिजाज

पेज-2

सैयामी नए साल की शुरुआत लंबी दौड़ से की

पेज-5

प्रदेश में नहीं बनेगा कोई नया जिला

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- लखनऊ : KGMU से जुड़े धर्मांतरण मामले में आरोपी डॉक्टर के खिलाफ गैर-जमानती वारंट
- कनाडा : वैंकूवर एयरपोर्ट पर फ्लाइट उड़ाने से पहले शराब के नशे में मिला एअर इंडिया का पायलट
- लारेंस बिश्नोई गैंग ने दिल्ली में हुए वसीम हत्याकांड की जिम्मेदारी ली
- सिडनी में पांचवें एशेज टेस्ट के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेंगे उस्मान ख्वाजा
- जयपुर : चौमू में पथराव के बाद आरोपियों के घर पर बुलडोजर एक्शन, 21 दिसंबर को हुई थी हिंसा
- ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो को इलाज के बाद वापस जेल भेजा गया
- बेंगलुरु : अवैध रॉक ब्लास्टिंग में चार तेंदुओं की मौत
- जापान से तनाव के बीच रविवार को शी जिनपिंग करेंगे दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति की मेजबानी
- गृह मंत्री अमित शाह आज अंडमान-निकोबार दौरे पर, संसदीय परामर्श समिति की बैठक की अध्यक्षता करेंगे
- यूक्रेन ड्रोन अटैक का मुद्दा गरमाया, रूस ने पुतिन के आवास से जुड़े सबूत

भागीरथपुरा कांड अब ठंडा करने की कवायद, चहतों को बचाएंगे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● भागीरथपुरा में हुए दूषित जलकांड से उपजे प्रशासनिक और राजनीतिक घमासान के बाद अब पूरे कांड को ठंडा करने की ओर तेजी से काम हो रहा है। बड़ों को बचाया जाएगा और जरूरत पड़ी तो एक-दो छोटों पर और कार्रवाई की जाएगी। यह जांच कमेटी और एसीएस संजय दुबे की रिपोर्ट के बाद तय होगा। बाकी इंदौर को दो-तीन अधिकारी और दिए जा सकते हैं, जिसके आदेश अब किसी भी समय हो सकते हैं।

सीएम ने फिर दखल दिया और कहा कि इतना बड़ा निगम है और जरूरत हो तो दो-तीन अधिकारी और हम जल्द दे देते हैं। यहां हम एसीएस संजय दुबे को छोड़कर जा रहे हैं। वह पूरी स्थिति देखकर रिपोर्ट देंगे। फिर आगे जो जरूरत होगी, वह कदम उठाए जाएंगे। इसके अलावा बैठक में और कोई बात नहीं हुई और ना ही किसी अन्य नेता, अधिकारी ने कुछ कहा और बैठक खत्म हो गई। इसमें बड़े अधिकारियों और जिम्मेदारों पर कोई आंच नहीं आई है। इसमें सबसे ज्यादा नजरें अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया पर और कार्यपालन यंत्री जल प्रदाय संजीव श्रीवास्तव पर हैं। सिसोनिया पर आरोप है कि टेंडर होने के बाद भी उन्हें नहीं खोला है। इससे 2.4 करोड़ की लागत से डलने वाली लाइन का काम रुका रहा।

17 साल से जमे संजीव श्रीवास्तव

वहीं इंदौर नगर निगम के अंगद अधिकारी कहे जाने वाले कार्यपालन यंत्री जल प्रदाय संजीव श्रीवास्तव पर भी उंगलियां उठ रही हैं। वह साल 2007-08 से ही पीएचई से यहां नगर निगम में पदस्थ हैं। उन्हें निगम में 17 साल करीब हो चुके हैं। कितने ही निगमायुक्त आए, वह वहीं के वहीं हैं। बीच में तत्कालीन निगमायुक्त मनीष सिंह के समय ही तीन-चार माह उन्हें यहां से हटाया गया और ट्रेचिंग ग्राउंड किया था। वहीं, इसके बाद फिर उनकी वापसी इसी विभाग में हो गई और लगातार जारी है। इतने सालों में उन्हें इंदौर शहर की हर जल प्रदाय लाइन के बारे में जानकारी है। अब तो निगम में कहा जाता है कि निगमायुक्त कोई भी हो, लेकिन इस विभाग में तो संजीव श्रीवास्तव ही जरूरी हैं।

अधिकारियों की अनदेखी से फूटा मेयर का गुस्सा

ऐसे काम करना मुश्किल है, मुख्यमंत्री तक मेरा संदेशा पहुंचे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● भागीरथपुरा दूषित पानी कांड को लेकर कल रेसीडेंसी कोठी में हुई बैठक में अधिकारियों के रवैये को लेकर महापौर पुष्यमित्र भार्गव का गुस्सा जमकर फूटा। उन्होंने एसीएस (अपर मुख्य सचिव) संजय दुबे से यहां तक कह दिया कि अधिकारी सुनते नहीं हैं। मैं ऐसे सिस्टम में काम नहीं कर सकता। आप चाहो तो यह संदेश मुख्यमंत्री तक पहुंचा दो। एसओआर आया नहीं, इसके पहले अधिकारियों ने फाइल स्वीकारना बंद कर दी। अधिकारी संवाद तक नहीं करते।

कार्यविभाजन और अधिकारियों की कार्यक्षमता पर तंज- बैठक के दौरान एक अपर आयुक्त के पास पांच-पांच विभागों का प्रभार होने की बात भी उठी। महापौर ने कहा कि अधिकारियों की वजह से काम प्रभावित हो रहा है। उन्होंने असहजता जताते हुए हाथ खड़े कर दिए और कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में काम करना कठिन है। मैं इसके लिए राजनीति में नहीं आया था। यह संदेश मुख्यमंत्री तक पहुंचा दें। एसीएस दुबे ने कहा कि हम इंदौर नगर निगम को कुछ और अधिकारी दे देते हैं, इस पर महापौर ने कहा कि अधिकारियों की कमी नहीं है। जो अधिकारी हैं वे ईमानदारी से काम कर लें तो स्थिति सुधर जाएगी, लेकिन निगमायुक्त ने एक अपर आयुक्त को पांच-पांच विभाग दे रखे हैं जबकि दूसरे अपर आयुक्त फ्री हैं।

एक काम के लिए कितनी बार फोन करना पड़ेगा-महापौर ने बार-बार कहा कि ऐसी स्थिति में काम करना मुश्किल है। अधिकारी काम ही नहीं करना चाहते हैं। वे मुझे बता दें कि एक काम के लिए कितनी बार फोन करना पड़ेगा। अगर वे कहेंगे कि सौ बार, तो मैं सौ बार फोन लगाऊंगा, लेकिन 101वीं बार मैं फोन एसीएस दुबे को करूंगा।

अखिलेश और ओबैसी ने भी दूषित पानी कांड पर किया कटाक्ष

नई दिल्ली ● सपा मुखिया अखिलेश यादव ने इन्दौर में दूषित पानी की वजह से हुई मौतों पर कहा कि यह बहुत दुख की बात है। इंदौर नगर निगम को कई बार अवार्ड मिले हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि आज अगर कोई मां गंगा का पानी पीता है, तो वो बीमार पड़ जाएगा। वहीं यूपी सरकार में मंत्री ओपी राजभर ने कहा कि पानी दूषित कैसे हुआ ये जांच का विषय है। इस मामले में एआईएमआईएम सदर असदुद्दीन ओवैसी ने कहा- भाजपा केवल मुसलमानों के खिलाफ बुलडोज़र कार्रवाई करते है। वे स्वच्छ पेयजल जैसी आवश्यकताएं भी प्रदान नहीं कर सकते हैं और विश्वगुरु होने का दावा कर रहे हैं। और लोग गंदा पानी पीकर मर जाते हैं। यह मध्य प्रदेश सरकार की नाकामी है।

अफसरशाही वर्सेस जनप्रतिनिधि : भाजपा में इसको लेकर बढ़ी चिंता

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● भाजपा में फिलहाल राजनीतिक समीकरण असंतुलित हो गया हैं। जबकि इंदौर में अफसर वर्सेस जनप्रतिनिधि की स्थिति साफ़ तौर पर देखी जा सकती हैं। लेकिन इस पूरे तमाशे के बीच इंदौर की आम जनता पिसा रही हैं। क्योंकि भागीरथपुरा में जो हुआ, उसके अलावा शहर के अन्य क्षेत्रों में जो स्थितियां भांपी जा रही हैं। उसे देखते हुए अब जनप्रतिनिधियों और अफसरशाही की इस लड़ाई में जनता का सत्यानाश हो रहा हैं। बातों ही बातों में भाजपा के आगामी भविष्य तक पर शहरभर में चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

लगभग पूरे इंदौर के विधायक, मेयर, मंत्री, पार्षद सभी इंदौर में काबिज हो चुकी अफसरशाही से तंग आ चुके हैं। और इसका सीधा परिणाम भागीरथपुरा में हुए भयावह घटनाक्रम में देखा गया। दरअसल

पिछले लंबे समय से इंदौर शहर और नगर निगम में मेयर, पार्षदों और अफसरों के बीच कुछ अच्छा नहीं घट रहा हैं। क्योंकि जनता जनप्रनिधियों की जान खाती है और अफसर कई बार तो ऐसे मामलों में लोगों को चक्कर खिलवाते है या फिर उन नगर निगम के जिम्मेदारों के ही फोन तक नहीं उठाते हैं। ऐसे सभी हालातों के चलते जनता तो बर्बाद होनी ही हैं। वह कहते है न बागड़ का ही नुकसान हमेशा से होते आया हैं।

इंदौर में ट्रक कांड हो या फिर अब ये भागीरथपुरा का हादसा जिसमें जिंदगियां काल का ग्रास बन गई हैं। एक तरफ मेयर, मीडिया और अधिकारियों में मौतों के आंकड़ों को लेकर ही बड़ा मतभेद है तो दूसरी तरफ मेयर पुष्यमित्र भार्गव अब मुखर है वह फिर एसीएस संतोष दुबे के सामने इंदौरी अधिकारियों की लू उतारना हो, या फिर अब सीधे मुख्यमंत्री मोहन यादव से निष्कर्ष की बात कहना हो। मगर अन्य भाजपा नेताओं मुंह बंदी की वजह से जनता गुनहगार होते हुए सजा भुगत रही हैं। इधर खुद मंत्री कैलाश विजयवर्गीय इंदौर के ऐसे राजनीतिक उथल पुथल वाले माहौल के बीच अपना आपा खो ही चुके हैं। जनता की चिंताओं के बीच पत्रकार को बोलना अब वह खुद ही स्तब्ध हैं।

आज भोपाल आएंगे संघ प्रमुख मोहन भागवत

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत आज और कल (शुक्रवार-शनिवार) भोपाल में रहेंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर देशभर में जारी प्रवास श्रृंखला के तहत सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत आज 2 और 3 जनवरी को मध्यभारत प्रांत के भोपाल विभाग केंद्र पर दो दिवसीय प्रवास पर हैं।

इस दौरान वे समाज के विभिन्न वर्गों से सीधे संवाद करेंगे। कार्यक्रमों का उद्देश्य संघ की 100 वर्षों की यात्रा, वर्तमान सामाजिक परिस्थितियां और देश-समाज निर्माण में नागरिकों की भूमिका पर विमर्श करना है।

सरसंघचालक के इस प्रवास के दौरान कुल चार प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें युवा, सामाजिक-धार्मिक नेतृत्व और मातृशक्ति को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। सभी कार्यक्रम चयनित सहभागियों के साथ संवादात्मक स्वरूप में होंगे। आज सुबह 9:30 बजे कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में प्रांत स्तरीय युवा संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मध्यभारत प्रांत के सभी 31 जिलों (शासकीय रचना के अनुसार 16 जिले) से ऐसे युवा शामिल होंगे।

मचाया एसआईआर का हल्ला, नहीं दिखा जमीन पर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मतदाता सूची में कथित गड़बड़ी और वोट चोरी पर हल्ला करने वाली कांग्रेस ने एसआईआर के दौरान बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्त करने में तो पिछड़ी ही, अब दावा-आपत्ति करने में भी रुचि नहीं दिखा रही है। दरअसल, पार्टी में जमीनी स्तर पर काम करने के लिए कोई रूचि नहीं दिखा रहा है। जबकि प्रदेश में कांग्रेस ने दावा किया था कि सभी 65,014 मतदान केंद्रों पर बीएलए, जिला, विधानसभा क्षेत्र और ब्लाकवार प्रभारी नियुक्त किए हैं। वहीं बूथ लेवल आफिसर पर गणना पत्रक नहीं मिलने के आरोप लगाए। दावा किया कि एक-एक मतदान केंद्र पर मतदाता सूची का सत्यापन होगा लेकिन जब यह करने का समय आया तो गंभीरता कहीं नजर नहीं आई।

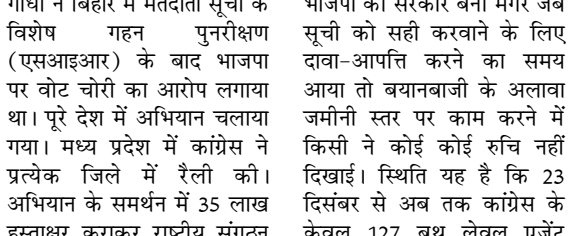

कांग्रेस ने मप्र सहित देशभर में मतदाता सूची में गड़बड़ी को लेकर खूब हल्ला मचाया। राहुल गांधी ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) के बाद भाजपा पर वोट चोरी का आरोप लगाया था। पूरे देश में अभियान चलाया गया। मध्य प्रदेश में कांग्रेस ने प्रत्येक जिले में रैली की। अभियान के समर्थन में 35 लाख हस्ताक्षर कराकर राष्ट्रीय संगठन को सौंपे गए। मतदाता सूची के प्रारूप में जब 42.74 लाख नाम हटाए गए तो खूब हाय-तौबा मचाई। दावा किया गया कि यही वोट चोरी है, जिसके कारण भाजपा की सरकार बनी मगर जब सूची को सही करवाने के लिए दावा-आपत्ति करने का समय आया तो बयानबाजी के अलावा जमीनी स्तर पर काम करने में किसी ने कोई कोई रुचि नहीं दिखाई। स्थिति यह है कि 23 दिसंबर से अब तक कांग्रेस के केवल 127 बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) ने दावा-आपत्ति की प्रक्रिया में भागीदारी की।

दावे केवल हवा

हवाई-प्रदेश में कांग्रेस ने सभी 65,014 मतदान केंद्रों पर बीएलए, जिला, विधानसभा क्षेत्र और ब्लाकवार प्रभारी नियुक्त किए। बूथ लेवल आफिसर पर गणना पत्रक नहीं मिलने के आरोप लगाए। दावा किया कि एक-एक मतदान केंद्र पर मतदाता सूची का सत्यापन होगा लेकिन जब यह करने का समय आया तो गंभीरता कहीं नजर नहीं आई। अभी तक कोई भी वरिष्ठ नेता किसी भी बूथ पर नहीं पहुंचा। अभी तक राजनीतिक दलों की ओर से नाम जोडने और हटाने के लिए कुल 1,067 आवेदन हुए हैं। यह भी 428 बीएलए ने किए हैं। इनमें भी भाजपा के बीएलए की संख्या 283 है यानी इस मामले में भी भाजपा ही सक्रिय कांग्रेस की बात करें तो 65,014 बीएलए में से अब तक 127 ने दावा आपत्ति की प्रक्रिया में भाग लिया है।

ग्रहों की चाल | फसल अच्छी, लेकिन सोना-चांदी होगा महंगा, बनेगी आर्थिक मंदी की स्थिति

2026 में नए वायरस की आहट, बढ़ेगा भारत का रूतबा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● भविष्यवाणीभारत की कुंडली कर्क राशि से छठे भाव धनु राशि में सूर्य, मंगल, बुध, शुक्र की युति व नव वर्ष की कुंडली के चतुर्थ भाव में सूर्य मंगल, बुध, शुक्र की युति के लिये कहा गया है, जब एक राशि पर 4 से ज्यादा ग्रह होते हैं तो धरती जल या रक्त से संचित होती है यानी धरती पर बड़े युद्ध की आशंका, दैविक आपदाएं, प्राकृतिक आपदाएं, भूकंप महामारी इत्यादि देखने को मिल सकती है।

ज्योतिषाचार्य का कहना है कि इस वर्ष की अपेक्षा 2026 बेहतर तो होगा, लेकिन कुछ ऐसी चीजें होने वाली हैं जो बहुत बड़े स्तर पर प्रभाव डालेंगी जिसमें सबसे महत्वपूर्ण है आर्थिक स्थितियां,

ज्योतिष दृष्टि से 2026 का साल रिसेशन का दौरा होगा और बड़े स्तर पर आर्थिक परिस्थितियों गड़बड़ होने के कारण मल्टीनेशनल कंपनियों से लेकर हर तरफ कई बड़े आर्थिक बदलाव देखे जा सकेंगे। जिसका प्रभाव आम जनमानस पर सीधे तौर पर पड़ेगा वहीं अन्य कई मामलों में भी 2026 मिला-जुला असर लेकर आएगा। वही रबी और खरीफ की फसले सामान्य रहेगी। सराफा बाजार में सोने चांदी में तेजी देखने को मिलेगी। डीजल और पेट्रोल की कीमतों में सामान्य दृष्टि बनी रहेगी। वृषभ का चंद्रमा उच्चस्थ होने से भाग्य भाव में भारत को विशेष मजबूती प्रदान करने वाला होगा। वही नव वर्ष की कुंडली में सुख भाव में सूर्य, मंगल, शुक्र, बुद्ध दशम भाव में बृहस्पति सप्तम भाव में शनि और राहु की युति यानी देवगुरु बृहस्पति को राहु मंगल, सूर्य, बृहस्पति को देख रहे हैं। ज्योतिष में बृहस्पति को धन का कारक माना गया है, अर्थात बृहस्पति पर तीन पाप ग्रहों की दृष्टि से विश्व पटल पर भारत सहित आर्थिक मंदी की भी आशंका बनी रहेगी।

बढ़ेगा भारत का रुतबा

यह वर्ष भारत के लिए विश्व व्यापार में आयात निर्यात को बढ़ावा देने वाला होगा, भारत की कूटनीति व विदेश नीति मजबूत होगी। विश्व पटल पर भारत अग्रिम पंक्ति में खड़ा नजर आएगा। इस वर्ष नव वर्ष की कुंडली में शनि और राहु की युति षष्ठ भाव में है।

कोई नया वायरस होगा पैदा

निश्चित रूपेण छठे भाव (शत्रु रोग ऋण) पर यह युति भारत को विशेष सफलता दिलाएगी। जिसमें भारत के शत्रु राष्ट्रो पर भारत का दबदबा बनाने वाला होगा। यह साल मेडिकल क्षेत्र में विशेष उपकरणों के साथ ही मेडिकल क्षेत्र में कोई नई खोज या नई उपलब्धि को प्राप्त करने वाला होगा। साथ ही शनि और राहु की युति किसी नये विषाणु या महामारी को जन्म भी दे सकती हैं।

न्यू ईयर पर एक दिन में 150 करोड़ की शराब पी गए लोग

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● क्रिसमस से लेकर न्यू ईयर के जश्न तक मप्र में टूरिज्म, हॉस्पिटैलिटी, फूड, रिटेल, ई-कॉमर्स और ट्रांसपोर्ट सेक्टर में इस बार करीब 1200 करोड़ रुपए का कारोबार हुआ है। यह 2024 की तुलना में करीब 30 प्रतिशत अधिक है। साल के अंतिम सप्ताह में सबसे अधिक करीब 500 करोड़ से ज्यादा की शराब बिकी हुई है।

इसमें भी सबसे अधिक रौनक 31 दिसंबर को रही। आबकारी विभाग के सूत्रों के अनुसार, इस दिन प्रदेशभर में शराब की बिक्री 150 करोड़ रुपए से अधिक रही। यह सामान्य दिनों की तुलना में करीब 60 प्रतिशत और बीते साल से करीब 20 प्रतिशत अधिक है। आम दिनों में मप्र में 50 से 60 करोड़ की शराब की बिक्री होती है।

कारोबार की स्थिति

कारोबारियों के अनुसार, प्रमुख शहरों और पर्यटन स्थलों पर होटल, रिसॉर्ट और होम-स्टे में 80 से 100 प्रतिशत तक ऑक्यूपेंसी रही। रेस्टोरेंट, कैफे और फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म पर भी ऑर्डर में वृद्धि दिखी। प्रदेश में घरेलू पर्यटन में वाइल्ड लाइफ और धार्मिक पर्यटन को खास लाभ मिला। मप्र के पर्यटकों के लिए देश में इस बार भी गोवा सबसे पसंदीदा डेस्टिनेशन रहा। इसके अलावा राजस्थान और केरल में भी बड़ी संख्या में लोगों ने छुट्टियां बिताईं।

न्यूज ब्रीफ

राज्य शासन द्वारा स्टार्टअप को प्रतिमाह 10 हजार रुपये तक की सहायता

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● राज्य शासन के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग द्वारा 24 फरवरी 2025 के बाद स्थापित होने वाले पात्र स्टार्टअप को मध्यप्रदेश स्टार्टअप नीति 2025 अंतर्गत 10 हजार रुपये प्रतिमाह की दर से 12 माह तक सहायता प्रदान की जा रही है। साथ ही मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना में पात्र स्टार्टअप को बैंक से ऋण प्राप्त करने पर 5 प्रतिशत का ब्याज अनुदान एवं 15 प्रतिशत दर से अधिकतम 15 लाख रुपये तक की सहायता दी जा रही है। स्टार्टअप योजना के जागरूकता हेतु 02 जनवरी को एसजीआईटीएस कॉलेज, प्रेस्टीज कॉलेज एवं वर्की टेक सेण्टर विजय नगर इंदौर में शिविर आयोजित किए जायेंगे। साथ ही राज्य शासन द्वारा प्रदेश में स्टार्टअप को बढ़ावा देने हेतु 11 एवं 12 जनवरी को रविन्द्र भवन भोपाल में 'मध्यप्रदेश स्टार्टअप समिट एवं इकोसिस्टम अवार्ड 2026' कार्यक्रम किया जाएगा।

डॉक्टर के साथ मारपीट, तीन युवकों के खिलाफ दर्ज की एफआईआर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भंवरकुआ थाना क्षेत्र में एक डॉक्टर के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस घटना में तीन युवकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। भंवरकुआ पुलिस के अनुसार सेवा सरदार नगर निवासी डॉक्टर मेघराज सिंह चंद्रावत की शिकायत पर बुधवार को तीन इमली निवासी तन्मय सिलावट और उसके दो साथियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। डॉक्टर मेघराज ने पुलिस को बताया कि वह अपनी महिला डॉक्टर मित्र महिमा को बस में बैठाने के लिए तीन इमली बस स्टैंड पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने अपनी एक्टिवा बस के पास खड़ी की थी। महिला मित्र को बस में बैठाने के बाद जब वे बाहर आए, तो वहां मौजूद दो युवकों से उनका विवाद हो गया। इसी दौरान तन्मय सिलावट ने अपशब्द कहे और मारपीट कर दी। घटना देख महिला मित्र महिमा भी बस से उतर आईं, जिस पर आरोपियों ने उनके साथ भी अभद्रता की। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची।

बुजुर्ग महिला ने फांसी लगाकर किया सुसाइड

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के हीरानगर थाना क्षेत्र अंतर्गत बजरंग नगर में रहने वाली 65 वर्षीय महिला ने 31 दिसंबर की रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि महिला पति की मौत के बाद से डिप्रेशन में थी। उसके पति की मौत बीमारी के चलते एक माह पहले हुई है। पुलिस ने शव को पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया है और पूरे मामले की जांच की जा रही है। हीरानगर पुलिस के मुताबिक मृतिका की पहचान मधु शर्मा (65) निवासी बजरंग नगर के रूप में हुई है। 31 दिसंबर की रात करीब 11 बजे पड़ोसियों ने देखा कि महिला के घर का दरवाजा खुला हुआ है। शक होने पर उन्होंने अंदर झांककर देखा तो मधु शर्मा फंदे पर लटकी हुई मिलीं। इसके बाद तुरंत उनके बेटे अंकित शर्मा को सूचना दी गई। सूचना मिलने पर अंकित घर पहुंचा और मां को फंदे से नीचे उतारा, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

आईआईटी इंदौर में सहायक और एसोसिएट प्रोफेसर पदों के लिए भर्ती की घोषणा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) इंदौर ने विभिन्न पदों के लिए भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। नौकरी की तलाश कर रहे उम्मीदवारों के लिए यह एक सुनहरा मौका है। इस नोटिफिकेशन के अनुसार, इच्छुक लोग घर बैठे ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस भर्ती में सहायक प्रोफेसर ग्रेड 1, सहायक प्रोफेसर ग्रेड 2 और एसोसिएट प्रोफेसर जैसे संकाय पदों को भरा जाएगा।

प्रदेश में मौसम का बदला मिजाज, उत्तर में कोहरा तीन जनवरी से फिर लौटेगी कड़ाके की ठंड

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश में साल के पहले ही दिन मौसम ने अलग रंग दिखाया। भीषण सर्दी से थोड़ी राहत जरूर मिली, लेकिन प्रदेश के उत्तरी हिस्से को कोहरे ने पूरी तरह जकड़ लिया। 16 जिलों में सुबह से धुंध छाई रही, जबकि 5 जिलों में बादलों की आवाजाही देखी गई। उधर, शहडोल का कल्याणपुर और प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन पचमढ़ी सबसे ठंडे इलाकों में शामिल रहे। मौसम विभाग का कहना है कि यह राहत ज्यादा दिनों की नहीं है। 3 जनवरी से एक बार फिर ठंड तीखा रूप लेगी। गुरुवार को श्योपुर, मुरैना, ग्वालियर, भिंड और दतिया में दिनभर बादल छाए रहे। दतिया में हालात ऐसे रहे कि घना कोहरा विजिबिलिटी को घटाकर महज 50 मीटर तक ले आया। इसके अलावा खजुराहो, सतना, रीवा, सीधी, भोपाल, इंदौर, उज्जैन, राजगढ़, रतलाम, नर्मदापुरम, खरगोन, दमोह और गुना समेत कई जिलों में कोहरे का असर दर्ज किया गया। आज भी हालात कुछ ऐसे ही बने हुए हैं, हालांकि ठंड की धार फिलहाल उतनी तेज नहीं है।

मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि 3, 4 और 5 जनवरी को ग्वालियर-चंबल संभाग और विंध्य क्षेत्र के कई जिलों जैसे

मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, मैहर, रीवा, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली में घना कोहरा छाएगा। इसके साथ ही न्यूनतम तापमान में गिरावट से ठंड का असर भी बढ़ेगा।

कोहरे की मार, ट्रेनें घंटों लेट- घने कोहरे का असर जनजीवन पर भी साफ दिख रहा है। दिल्ली से मध्यप्रदेश आने वाली कई ट्रेनें लगातार देरी से पहुंच रही हैं। कुछ ट्रेनें तो 8 से 10 घंटे तक लेट चल रही हैं, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है।

पचमढ़ी सबसे ठंडा, कल्याणपुर पीछे नहीं

नए साल में सबसे ज्यादा ठंड पचमढ़ी में दर्ज की गई, जहां रात का तापमान 5.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। शहडोल के कल्याणपुर में पारा 6.4 डिग्री रहा। इसके अलावा शिवपुरी, खजुराहो, अमरकंटक, राजगढ़, नौगांव, उमरिया, मंडला, मलाजखंड, टीकमगढ़, दतिया, नरसिंहपुर, रायसेन, छिंदवाड़ा और इंदौर जैसे शहरों में भी तापमान 10 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया।

जनवरी में भी जारी रहेगा सर्दी का सितम

इस सीजन में मध्यप्रदेश की सर्दी पहले ही रिकॉर्ड तोड़ चुकी है। नवंबर में 84 साल और दिसंबर में 25 साल का रिकॉर्ड टूट गया। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि जनवरी में भी हालात कुछ ऐसे ही बने रहेंगे। एक्सपर्ट्स का कहना है कि प्रदेश में माइनस लेवल की ठंड की स्थिति बन चुकी है, ऐसे में आने वाले दिनों में शीतलहर, कोल्ड डे और घना कोहरा आम रहेगा।

खाद्य व औषधि प्रशासन विभाग द्वारा मिलावट के विरुद्ध जन जागरूकता अभियान किया प्रारंभ

जगह-जगह जाकर उपभोक्ताओं को बताएंगे खाद्य सामग्री में मिलावट पता करने के तौर-तरीके

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर जिले में कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा मिलावटखोरों के विरूद्ध सतत् रूप से कार्रवाईयाँ की जा रही है। साथ ही जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे है। इसी क्रम में गुरूवार को इन्दौर की सुप्रसिद्ध 56 दुकान चाट चौपाटी पर मोबाईल फूड टेस्टिंग लेब की सहायता से जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपभोक्ताओं एवं खाद्य प्रतिष्ठान के संचालकों को खाद्य पदार्थों में मिलावट की जांच के आसान घरेलू तरीकों से अवगत कराकर उन्हें जागरूक कर प्रशिक्षित किया गया। साथ ही मौके से कुल 30 खाद्य पदार्थों की त्वरित जांच मोबाईल फूड लेब की सहायता से की गई। 56 दुकान पर उपस्थित जन समूह द्वारा जिला प्रशासन के इस नवाचार की सराहना की गई।

मोबाईल फूड टेस्टिंग लेब भ्रमण के दौरान खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत आम उपभोक्ताओं को खाद्य पदार्थों में की जाने वाली मिलावट के प्रति जागरूक किया जायेगा। इसके अतिरिक्त विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों से नमूने लिये जाकर मोबाईल फूड टेस्टिंग लेब की सहायता से मौके पर ही खाद्य पदार्थों की जांच की जायेगी। साथ ही खाद्य कारोबारियों को भी मिलावट की जांच हेतु प्रशिक्षित एवं जागरूक किया जायेगा। उपभोक्ताओं से आग्रह किया गया है कि वे अपने क्षेत्र में मोबाईल फूड टेस्टिंग लेब के भ्रमण के दौरान अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर खाद्य पदार्थों में मिलावट की जांच के संबंध में प्रशिक्षण प्राप्त करें।

प्रशिक्षण जनजागरूकता कार्यक्रम इंदौर जिले के विभिन्न स्थानों पर आयोजित किए जाएंगे। आयोजन के तहत 02 जनवरी को विजय नगर स्थित द हब चौपाटी पर, 04 जनवरी को बंगाली चौराहे के पास, 06 जनवरी को बिचौली हप्सी स्थित जोडियेक मॉल के पास, 07 जनवरी को हातोद क्षेत्र के मुख्य बाजार में, 08 जनवरी को खुड़ैल के मुख्य बाजार क्षेत्र में एवं 09 जनवरी को बेटमा बस स्टैण्ड के आसपास के क्षेत्र में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सभी कार्यक्रमों का समय दोपहर 01 बजे से शाम 4 बजे तक रहेगा।

सौ फीट घिसटते हुए गए युवक-युवती, हालत गंभीर; पुलिस ने कार चालक को हिरासत में लिया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के विजय नगर में गुरुवार रात एक कार ने एक्टिवा को टक्कर मार दी। दुर्घटना से एक्टिवा करीब 100 फीट घिसटते हुए चली गई, जिसमें एक युवक एवं युवती गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने कार जब्त कर ड्राइवर को हिरासत में लिया है। कार पर 'करणी सेना परिवार' लिखा है। विजय नगर पुलिस के मुताबिक हादसा सयाजी चौराहे के पास हुआ है। घटना रात करीब 2:30 बजे की है। सयाजी पेट्रोल पंप की ओर से चौराहे पर मुड़ रही एक्टिवा को बापट चौराहे से विजय नगर की ओर जा रही तेर रफ्तार कार ने सामने से टक्कर मार दी। एक्टिवा पर सवार युवक हर्ष सोनी और युवती भवानी यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक हर्ष जबलपुर का रहने वाला है और वर्तमान में विजय नगर क्षेत्र में रहकर बैंकिंग की तैयारी कर रहा है। वहीं भवानी सतना की रहने वाली है और स्कीम नंबर 78 में रहकर एक निजी कंपनी टास्क सोर्स में नौकरी करती है। दोनों अपने फ्लेट पर जा रहे थे। पुलिस ने कार ड्राइवर सुमित ठाकुर को हिरासत में ले लिया है।

सेवानिवृत होने पर सलूजा का विदाई समारोह आयोजित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल तिल्लोर खुर्द से सेवानिवृत हुई माध्यमिक शिक्षक श्रीमती जसबीर कौर सलूजा मैडम एवं परिवार द्वारा रिटायरमेंट के उपलक्ष्य में विदाई व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें पारिवारिक सदस्यों के अलावा मित्रगण, शिक्षक व कर्मचारी यूनियन के पदाधिकारी आदि शामिल हुए।

पुरानी पेंशन बहाली राष्ट्रीय आंदोलन के जिलाध्यक्ष एवं शासकीय शिक्षक संगठन मध्यप्रदेश के प्रदेश मीडिया प्रभारी दिनेश परमार ने बताया कि माध्यमिक शिक्षक श्रीमती जसबीर सलूजा के सेवानिवृत होने पर उनके परिवार द्वारा आयोजित विदाई समारोह में मध्यप्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री हरीश बोयत, पूर्व डीईओ मंगलेश व्यास व हीरालाल खुशाल, प्राचार्य ओम प्रकाश वर्मा व महेश खोटे की गरिमामयी उपस्थिति में सलूजा मैडम का सभी ने पुष्प गुच्छ व उपहार भेंट कर सम्मान किया तथा उनके स्वस्थ, दीर्घायु व उज्जवल भविष्य की कामना व्यक्त की। इस दौरान सलीम भाई एवं उनकी टीम द्वारा प्रशंसा पत्र भी भेंट किया गया जिसका वाचन शिक्षक श्रीमती सिरिन खान ने किया।

कार्यक्रम का सफल संचालन ख्यात मंच संचालक सलीम खान बेटमा ने किया एवं आभार नरेन्द्र सलूजा ने माना। इस अवसर पर दरबार काका, संजय अटवाल, राजेश चौहान, संतोष मालवीय, मनिमाला शर्मा,नमिता दुबे, प्रीतम सलूजा व नीतू सलूजा आदि उपस्थित थे।

विजयवर्गीय के बंगले के बाहर महिला कांग्रेस ने घंटियां बजाईं

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इंदौर में दूषित पानी से हुई मौतों और बीमार लोगों को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में दिए गए बयान के बाद प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। एक ओर जहां बयान को लेकर सियासी बयानबाजी तेज है। वहीं राजधानी भोपाल में महिला कांग्रेस ने मंत्री के सरकारी निवास का घेराव कर विरोध दर्ज कराया। महिला कांग्रेस की कार्यकर्ता हाथों में घंटियां लेकर मंत्री के निवास पहुंचीं और घंटी बजाकर प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने कैलाश विजयवर्गीय के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और उनके इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शन में कांग्रेस के पूर्व मंत्री पीसी शर्मा और जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना भी मौजूद रहे। महिला कांग्रेस नेत्रियों ने मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की फोटो पर जूते-चप्पल भी बरसाए। पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने कहा कि इंदौर की घटना के बाद इस तरह का बयान यह दर्शाता है कि सत्ता के नशे में भाजपा नेता मदमस्त हो गए हैं। उन्हें लगता है कि ऐसे बयानों के बावजूद जनता उन्हें जिताती रहेगी, लेकिन यह सोच गलत है। उन्होंने मांग की कि घटना में मृतकों के परिवार से एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए, प्रत्येक परिवार को एक करोड़ रुपए मुआवजा मिले और कैलाश विजयवर्गीय से तत्काल इस्तीफा लिया जाए।

चौबीस अवतार मंदिर ट्रस्ट के सचिव चिंटू वर्मा की प्रेरणादायी पहल

दैनिक इंदौर संकेत

देपालपुर ● जीवन में कुछ लोग बीरले ही होते हैं जो परोपकार को ही अपना कर्म एवं सेवा भाव समझते हैं। ऐसे ही भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष व श्री चौबीस अवतार मंदिर ट्रस्ट के सचिव चिंटू वर्मा ने अपना जन्मदिन न मनाते हुए सेवा भारती के सामाजिक एवं शैक्षणिक कार्यों से प्रभावित होकर जीवन उमंग अनुसूचित जनजाति कन्या छात्रावास बिचोली मरदाना जिला इंदौर की बालिकाओं के शैक्षणिक विकास एवं भोजन के लिए 5100/- रु की राशि सेवा भारती के खाते में जमा की। इस पुनीत कार्य के लिए मध्यप्रदेश शिक्षा विभाग पेढ़ी के संचालक एवं शिक्षक संघ के सोहनलाल परमार, पार्षद रवि चौरसिया,भाजपा नेता महेश बैरागी, पार्षद सोमिल माली, राज्य अध्यापक संघ के संजय सेन, भाजपा के जिला सह कोषाध्यक्ष पीयूष विजयवर्गीय सहित भाजपा पदाधिकारियों, एवं उनके प्रशंसकों, समाजजनों ने बधाई दी, एवं आह्वान किया कि इस प्रशंसनीय एवं प्रेरणादायक कार्य में अन्य साथियों को भी इसी प्रकार के सराहनीय कार्य करना चाहिए।

संजू फाबिया का जन्मदिन धूमधाम से मनाया

दैनिक इंदौर संकेत

सांवेर ● हिंदू महासभा के प्रदेश महासचिव और साबिर क्षेत्र की समाजसेवी संजू फाबिया का जन्मदिन उनके गृह गांव में धूमधाम से मनाया गया हजारों की तादाद में उनके समर्थक वहां पहुंचे उन्होंने अपने नेता को जन्मदिवस की बधाइयां प्रेषित की इस अवसर पर भजन संध्या और सब भोज का भी आयोजन किया गया।

सिंधिया का जन्मदिन सेवा दिवस के रूप में मनाया

दैनिक इंदौर संकेत

सांवेर ● स्व.प्रकाश सोनकर मंडल सांवेर में कैबिनेट मंत्री तुलसीराम सिलावट के नेतृत्व में केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेष्त्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के जन्मदिवस सेवा और समर्पण के रूप मे के सांवेर नगर के सिविल हॉस्पिटल में मरीजों को फल वितरण, हॉस्पिटल में साफ सफाई करके एवं केक काटकर खुशियां बनाई।

जिसमें मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष भारत सिंह चौहान जिला पंचायत, दिलीप चोधरी अध्यक्ष प्रतिनिधि सतीश मालवीय, नगर परिषद अध्यक्ष संदीप चंगेड़ीया , नगर पंचायत उपाध्यक्ष जितुराज राठौर,जिला, मीडिया प्रभारी विनोद चंदानी , जिला आई टी प्रभारी अभिलेश ठक्कर,जिला मंत्री लोकेंद्र सिंह, दयाराम चौधरी,मंडल अध्यक्ष तूफ़ान सिंह ,नगर अध्यक्ष जितेंद्र प्रजापत, दशरथ गौड़, पप्पू भावसार , अमित लोबानिया , विजय व्यास,कुंदन करड़वाल, लक्की यादव,बाबूलाल शर्मा ,सतीश बोडदिया , संजय चौधरी, युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष बी के हारोड़ , अनिल जोशी,आशीष जैन, राहुल सिंह चौहान, दीपक शर्मा,आनंद लोहार , दीपक जायसवाल, प्रदीप ठाकुर, प्रहलाद यादव व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी संदीप राव घाड़गे ने दी।

तेज आवाज वाले 101 साइलेंसरों को सड़कों पर बिछाकर चलाया बुलडोजर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर की कनाडिया थाना पुलिस ने 1 जनवरी को शहर में शोर मचाने वाले तेज आवाज वाले साइलेंसरों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 101 साइलेंसरों को बुलडोजर से नष्ट कर दिया। ये सभी साइलेंसर हाल ही में तेज आवाज करने वाली बुलेट मोटरसाइकिलों पर की गई कार्रवाई के दौरान जब्त किए गए थे। यह अभियान एडिशनल डीसीपी अमरेन्द्र सिंह के निर्देश पर जोन-2 क्षेत्र में चलाया गया था। गुरुवार को टीआई सहर्ष यादव और उनकी टीम ने जब्त साइलेंसरों को सड़क पर रखवाकर सार्वजनिक रूप से नष्ट किया।

वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि तेज आवाज करने वाले वाहनों के खिलाफ यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी, ताकि शहर में ध्वनि प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके।

31 दिसंबर की रात पुलिस ने विशेष मुहिम चलाकर 300 से अधिक वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की। इस दौरान लापरवाही से वाहन चलाने वाले करीब 130 चारपहिया वाहनों को जब्त किया गया, जबकि लगभग 204 दोपहिया वाहनों पर भी कार्रवाई की गई।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह अभियान देर रात से लेकर सुबह 4 बजे तक चला। इस दौरान शहर के कई थाना क्षेत्रों में 200 से अधिक लोगों पर प्रतिबंधात्मक धाराओं में कार्रवाई की गई। इसके अलावा, सड़कों पर बाइक से हुड़दंग मचाने वाले युवाओं को भी पुलिस ने पकड़कर उनके खिलाफ सख्त कदम उठाए। पुलिस का कहना है कि इस तरह की मुहिम आगे भी जारी रहेगी।

पिता-भाई के साथ पार्टी मनाने गए छात्र की कुंड में डूबने से मौत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पंचम की फैल में रहने वाले पिता और भाई के साथ थर्टी फर्स्ट की पार्टी मनाने गए 8वीं के छात्र की फॉल में डूबने से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार मृतक का नाम पर्व निहोरे (16) पिता पद्म निहोरे है। घटना सिमरोल इलाके में स्थित जूना पानी वाटर फॉल की है। पार्टी मनाने के लिए बुधवार को पदम बड़े बेटे भानू और छोटे बेटे पर्व, भतीजे और उनके दो दोस्तों को लेकर जूना पानी गए थे। देर शाम उसका शव इंदौर लाया गया।भानू ने बताया, पिता के साथ हम 6 लोग नहाने के लिए फॉल के कुंड में उतरे थे। नहाने के दौरान हमने फोटो शूट करवाया। हम पानी से बाहर आए और खेत पर भोजन किया। इसके बाद हम चार लोग फिर नहाने के लिए पानी में उतरे। फोटो शूट चल रहा था, हमारे पीछे कुछ ही फीट की दूरी पर गहराई थी, जिसकी जानकारी हमें नहीं थी।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, शुक्रवार 02 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

पालदा की कॉलोनियों के सैकड़ों बंधुओं ने नए वर्ष में मनाई दूध-जलेबी और दूध-फैनी की दावत

इंदौर • अग्रवाल समाज हाइवे क्षेत्र पालदा के रहवासियों ने भारतीय सनातन संस्कृति के अनुरूप अंग्रेजी नएवर्ष की अगवानी दूध जलेबी और दूध फैनी की दावत तथा देशी खेलों के आयोजन के साथ की। युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति को रोकने और उन्हें सनातन धर्म, संस्कृति एवं खेलकूद की गतिविधियों से जोड़ने के उद्देश्य से संगठन के संस्थापक अध्यक्ष अरविन्द बागड़ी की प्रेरणा से यह आयोजन बुधवार की रात गुजर रहे वर्ष 2025 को बिदाई देते हुए किया गया। वरुण विक्ट्री परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज बंधु एवं मातृशक्ति ने भी भागीदारी की। बुधवार की शाम को शुरू हुए इस आयोजन में अग्रवाल समाज हाईवे क्षेत्र पालदा से जुड़े अधिकांश परिवारों ने अपने बच्चों, युवाओं एवं महिलाओं सहित भाग लिया। इस अवसर पर महिलाओं के लिए अन्ताक्षरी, भजन, गीत, दोहे एवं अन्य प्रेरक स्पर्धाएं भी सम्पन्न हुई।

अन्नपूर्णा मन्दिर में भी सवा लाख से अधिक भक्तों ने पहुंचकर किए मातारानी के दर्शन

इंदौर • अन्नपूर्णा मंदिर पर अंग्रेजी नववर्ष की पहली सुबह से देर रात तक करीब सवा लाख भक्तों ने माँ अन्नपूर्णा की शरण में पहुंचकर पूजा, अर्चना एवं प्रार्थना की। मंदिर के अधिष्ठाता महामंडलेश्वर स्वामी विश्वेश्वरानंद गिरि के सानिध्य में मंदिर पर सुबह से भक्तों की सुविधा के लिए अनेक प्रबंध किए गए थे। बैरीकेडिंग के साथ ही दिनभर प्रसाद वितरण का सिलसिला भी चलता रहा। मंदिर के संचालक स्वामी जयेंद्रानंद गिरि एवं न्यासी श्याम सिंघल ने बताया कि माताराती का इस अवसर पर विशेष श्रृंगार कर उन्हें 53 भोग समर्पित किए गए। भक्तों के आगमन का क्रम सुबह से ही शुरू हो गया था जो मध्यरात्रि तक चलता रहा।

संस्कृति और संस्कारों का पोषण करती है रामकथा : पं. भार्गव

इंदौर • जनवरी। रामकथा में स्नेह, दया और करुणा की वर्षा होती है। समुद्र का पानी खारा होता है लेकिन आकाश के सम्पर्क में आकर वर्षा जल के रूप में मीठा बन जाता है। आज अंग्रेजी नए वर्ष का पहला दिन है जो हमारा नया वर्ष तो नहीं है, लेकिन हम वसुधैव कुटुम्बकम की भावना में विश्वास रखते हैं इसलिए सबको अपना मानते हैं। सज्जनों और श्रेष्ठ लोगों की संगत में आकर हमारा भी चरित्र निर्माण हो सकता है। रामकथा संस्कृति और संस्कारों का पोषण करती है। इसे हम भक्ति, कर्म और ज्ञान का संयोग भी कह सकते हैं। राम सत्य के साथ मर्यादा के भी संस्थापक हैं। सत्य का चिंतन और आचरण मनुष्य को सही दिशा में ले जाता है।

इस वर्ष 14 हजार सरकारी पदों पर होगी भर्ती, मिडिल-प्राइमरी टीचर के 30 हजार पदों के लिए होगी पात्रता परीक्षा

भोपाल (एजेंसी) • इस वर्ष होने वाली भर्ती और पात्रता परीक्षाओं का कैलेंडर जारी हो गया है। मप्र लोक सेवा आयोग और कर्मचारी चयन मंडल के कैलेंडर के अनुसार, 2026 में ग्रुप 'ए' से लेकर ग्रुप 'डी' तक के 14,000 से अधिक पदों को भरने के लिए कुल 22 भर्ती परीक्षाओं का आयोजन किया जाएगा। यह भर्तियां राज्य के प्रशासनिक, पुलिस, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य अहम विभागों में रिक्त पड़े पदों को भरने के लिए की जाएंगी। इनमें से 10 प्रमुख परीक्षाएं मप्र लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित की जाएंगी, जबकि 16 परीक्षाएं कर्मचारी चयन मंडल के जिम्मे होंगी। इन भर्तियों के अलावा, राज्य के स्कूलों में शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिए लगभग 30,000 पदों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा भी आयोजित होगी। साथ ही, महिला एवं बाल विकास, डेयरी और कृषि जैसे क्षेत्रों में डिप्लोमा और ट्रेनिंग के लिए भी प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। 2026 में किस विभाग में कितने पदों के लिए कब-कब परीक्षाएं आयोजित होंगी।

डिप्टी कलेक्टर समेत 155 पदों पर होगी भर्ती

मप्र लोक सेवा आयोग की सबसे प्रतिष्ठित सेवाओं के लिए भर्ती करता है। साल 2026 में आयोग कई महत्वपूर्ण परीक्षाओं का आयोजन करने जा रहा है,

जिनमें राज्य सेवा परीक्षा, वन सेवा परीक्षा, और सहायक प्राध्यापक भर्ती प्रमुख हैं। मप्र लोक सेवा आयोग ने राज्य सेवा परीक्षा 2026 के लिए आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी कर दिया है, अब इसके साथ ही आवेदन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इस बार अपर कलेक्टर के 17 और डीएसपी के 18 पद हैं। इस तरह से राज्य सेवा के 155 पदों पर भर्ती होगी। 10 जनवरी से 9 फरवरी तक आवेदन करना होगा। राज्य सेवा और राज्य वन सेवा की संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा 26 अप्रैल 2026 को आयोजित की जाएगी। प्रारंभिक परीक्षा में सफल होने वाले उम्मीदवार मुख्य परीक्षा में शामिल होंगे, जिसका आयोजन 07 सितंबर 2026 से 12 सितंबर 2026 तक किया जाएगा।

मप्र लोक सेवा आयोग में कम भर्तियों के पीछे की दो बड़ी वजहें

1. **प्रमोशन पर रोक :** राज्य में अधिकारियों के प्रमोशन पर लंबे समय से रोक लगी हुई है। कई अधिकारियों को उच्च पदों का प्रभार तो दिया गया है, लेकिन यह स्थायी प्रमोशन नहीं है। इस कारण, नियमानुसार निचले पद रिक्त नहीं माने जा सकते, जिससे सीधी भर्ती के लिए पदों की संख्या सीमित हो गई है। अब केवल रिटायरमेंट से खाली होने वाले पद ही भर्ती प्रक्रिया में आ पा रहे हैं।
2. **वित्त विभाग का फॉर्मूला :** वित्त विभाग ने भर्तियों के लिए एक नया नियम लागू किया है। इसके तहत, किसी भी विभाग में सभी रिक्त पदों को एक साथ भरने के बजाय, उन्हें तीन वर्षों में चरणबद्ध तरीके से (एक निश्चित प्रतिशत के अनुसार) भरा जाता है। इस नियम के कारण भी एक बार में बड़ी संख्या में भर्तियां नहीं निकल पा रही हैं।

असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए 3 फेज में होगा एग्जाम

उच्च शिक्षा विभाग के लिए असिस्टेंट प्रोफेसर के पदों पर भर्ती तीन चरणों में होगी। ये परीक्षाएं जनवरी, जुलाई और अगस्त में आयोजित की जाएंगी। वहीं कंप्यूटर साइंस सब्जेक्ट के लिए परीक्षा 4 जनवरी 2026 को आयोजित होगी। वहीं डिप्टी डायरेक्टर/प्रिंसिपल/असिस्टेंट डायरेक्टर (टेक्निकल) के लिए 22 फरवरी 2026 को एग्जाम होगा। राज्य अभियांत्रिकी सेवा परीक्षा 2025 का आयोजन 22 मार्च 2026 को होगा।

शिक्षक भर्ती 30,000 पदों के लिए पात्रता परीक्षा

मध्य प्रदेश के शिक्षा क्षेत्र में एक बड़ी भर्ती की तैयारी है। राज्य सरकार 2026 में शिक्षक पात्रता परीक्षा का आयोजन करने जा रही है, जिसके माध्यम से प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षकों के लगभग 30,000 पदों को भरने का लक्ष्य रखा गया है। सूत्रों के अनुसार, वर्तमान में राज्य में वर्ग-1, 2 और 3 के कुल 42,000 से अधिक पद खाली हैं। इनमें से 30,000 पदों के लिए पात्रता परीक्षा का शेड्यूल जारी कर दिया गया है। यह भर्ती राज्य की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और स्कूलों में शिक्षकों की कमी को दूर करने के मकसद से उठाया है।

वन और जेल विभाग में भी अवसर

पुलिस विभाग के अलावा, अन्य वर्दीधारी सेवाओं में भी भर्ती के अवसर हैं। क्षेत्र रक्षक, जेल प्रहरी और सहायक जेल अधीक्षक : इन पदों के लिए संयुक्त भर्ती परीक्षा मार्च 2026 में आयोजित की जाएगी। इसके माध्यम से कुल 1426 पदों को भरा जाएगा।

सेवानिवृत्ति पर साथियों का फेडरेशन ने किया अभिनंदन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • 31 दिसंबर को मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर की सेवा पूर्णकर सेवानिवृत्त होने पर सर्वश्री मोहन सिंह यादव, माधव प्रसाद कुशवाह, ट्रांसमिशन कंपनी के महेश अग्रवाल, शिवाजी रोड़े का मप्र विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन इंदौर की ओर से स्वागत, अभिनंदन किया गया। इस मौके पर ट्रांसमिशन कंपनी के झोनल सेक्रेट्री जे एल जोशी, मदन वर्मा माणिक (कवि एवं लेखक) प्रदेश प्रवक्ता फेडरेशन, एन के जैन सहित साथियों ने पुष्पमालाएं पहनाकर स्वागत अभिनंदन किया व बधाई व शुभकामनाएं दी तथा फेडरेशन इंदौर के झोनल सेक्रेट्री एन के यादव ने शुभेच्छा दी व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की ।

गिरीश काले का काव्य पाठ मध्य भारत हिंदी साहित्य समिति में 1 फरवरी को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • युवा कवि गिरीश काले एक फरवरी हिंदी साहित्य समिति में होने वाले कवि सम्मेलन में काव्य पाठ करेंगे। कवि सम्मेलन के मंचों को नित नई ऊंचाई दे रहे युवा कवियों की टोली अब 1 फरवरी को इंदौर में कवि सम्मेलन करने जा रही है। साहित्यिक पुस्तक और लेखक को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कवि सम्मेलन 1 फरवरी को हिंदी साहित्य समिति में आयोजित होगा। इसमें आयोजन सदस्य लेखक की पुस्तक को अन्य लेखक क्रय करेंगे। कवि सम्मेलन में 30 से अधिक कवियों का काव्य पाठ भी होगा। इस कवि सम्मेलन में युवा कवि गिरीश काले भी कविता पाठ करेंगे। पूर्व पंजीयन के आधार पर नए कवियों को भी कविता पाठ का अवसर दिया जाएगा।

कवि सम्मेलन के पहले प्रभावी काव्य पाठ की पूर्व तैयारी हेतु (रिहर्सल) दिनांक 11 जनवरी (रविवार) को दोपहर 1 से 4 बजे तक कवयित्री मनीषा व्यास जी के निज निवास 327 बी, सूर्यदेव नगर पर रखी गई है। इच्छुक कवि - शायर काव्य गोष्ठी तथा कवि सम्मेलन में भाग लेने हेतु सादर आमंत्रित है। यह जानकारी जितेंद्र शिवहरे ने दी।

शाकम्भरी जयंती महोत्सव कल कोलकाता से बुलवाए गए 11 किस्म के

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • साग-सब्जी, फल-फूल उपलब्ध कराने वाली मां शाकम्भरी देवी सकराय माताजी के 26वें महोत्सव की तैयारियां अंतिम दौर में पहुँच गई हैं। राज्य के विभिन्न जिलों से श्रद्धालुओं के आगमन की सूचनाएं निरंतर मिल रही हैं। महोत्सव इस बार शनिवार, 3 जनवरी को बायपास स्थित सम्पत पैलेस गार्डन पर मनाया जाएगा। इस दौरान प्रसिद्ध परंपरागत तांडव आरती के साथ ही दोपहर में माँ शाकम्भरी का मंगल पाठ भी होगा। महोत्सव में सुबह से रात तक विभिन्न आयोजन होंगे। महोत्सव में माँ शाकम्भरी को समर्पित करने के लिए कोलकाता से चुनिन्दा 11 किस्म के फूलों का गजरा बुलवाया जा रहा है जिससे माता रानी के दरबार का भव्य श्रृंगार कर पंडाल भी सजाया जाएगा। शाम को 101 कन्याओं के पूजन के पूर्व दोपहर में 2 बजे से मंगल पाठ प्रारंभ होगा। आयोजन समिति की ओर से कार्यक्रम संयोजक प्रभारी गोपाल अग्रवाल, रामप्रसाद सोंथलिया एवं जयेश अग्रवाल ने बताया कि महोत्सव का शुभारंभ आचार्य प.

प्रद्युम्न दीक्षित एवं आचार्यों के निर्देशन में सुबह 9 बजे स्थापना एवं मंडल पूजन के साथ होगा। मंगल पाठ में सरोज ऐरन, विमलादेवी धानुका, पुष्पादेवी खंडेलवाल, मुकेश अग्रवाल एवं शिमला देवी अग्रवाल की सहभागिता रहेगी। प्रख्यात मंगलपाठ गायिका श्रीमती ममता गर्ग मंगल पाठ में मुख्य भूमिका में शामिल रहेंगी। परंपरागत तांडव आरती पं. विश्वजीत महाराज के सानिध्य में एवं माँ नर्मदा की आरती उज्जैन के पं. नंदू गुरु की टीम द्वारा की जाएगी। इस अवसर पर संरक्षकों एवं माता के भक्तों की भागीदारी में माँ के दरबार का भव्य श्रृंगार एवं पंडाल भी बनाया जाएगा।

नंदगांव पीपल्याहाना स्थित राठी स्वास्थ्य एवं सेवा केंद्र पर नए वर्ष में ओपीडी में नया समय चक्र लागू

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • नंदगांव, पीपल्याहाना स्थित भागीरथ रामविलास राठी पारमार्थिक न्यास द्वारा संचालित स्वास्थ्य एवं सेवा केंद्र पर गुरुवार, 1 जनवरी से ओपीडी (बाह्य रोगी परीक्षण) का समय सुबह 10 बजे से 2 बजे तक लागू कर दिया गया है। ट्रस्ट के प्रमुख रामविलास राठी ने बताया कि स्वास्थ्य केंद्र पर आने वाले मरीजों के लिए खून एवं पैथालॉजी जांच तथा एक्सरे आदि पर भी रियायती दरों पर परीक्षण की सुविधा उपलब्ध रहेगी। केंद्र से भेजे जाने वाले मरीजों को दवाइयों पर भी 40 प्रतिशत तक की छूट का प्रावधान रखा गया है। केंद्र पर शुगर के मरीजों के लिए अल्ट्रा साउंड मशीन की मदद से प्रतिदिन 15 मिनट के लिए लाभ लेकर शुगर को नियंत्रित रखने की सुविधा का भी अब तक सैकड़ों मरीज लाभ उठा चुके हैं। नए वर्ष में केंद्र की ओर से पिपलियाहाना सहित आसपास की बस्तियों में चिकित्सकों के सहयोग से निशुल्क चिकित्सा शिविर भी आयोजित किए जाएँगे। नए समय चक्र का पालन करते हुए आज 170 मरीजों ने ओपीडी में आकर परीक्षण कराया।

आज भोपाल में आजाद अध्यापक शिक्षक संघ करेगा आंदोलन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर •आजाद अध्यापक शिक्षक संघ अपनी लंबित मांगों के निराकरण के लिए प्रांतीय आह्वान पर प्रदेश भर के कर्मचारी 2 जनवरी को राजधानी भोपाल पहुंच कर प्रांत अध्यक्ष भाई भरत पटेल के नेतृत्व में डॉक्टर आंबेडकर जयंती मैदान टी टी नगर में धरना प्रदर्शन करेंगे । इंदौर से प्रांतीय उपाध्यक्ष के के आर्य जी एवं जिला अध्यक्ष अमरीष शर्मा ने बताया कि नियुक्ति दिनांक से सेवा अवधि की गणना करने , ग्रेजुएटी का लाभ देने ,पुरानी पेंशन योजना बहाल करने तथा ई अटेंडेंस व्यवस्था समाप्त करने एवं अन्य मांगों के निराकरण के लिए भोपाल में 2 जनवरी को संगठन के आह्वान पर धरना प्रदर्शन करेंगे।जिसमें पूरे प्रदेश के विभिन्न जिलों से सैकड़ों अध्यापक शिक्षक भोपाल पहुंच करे धरने प्रदर्शन में शामिल होंगे। इंदौर से गोपाल कुमरावत, बर सिंह भूरिया,धारा सिंह चौहान, मनिंदर सिंह ठाकुर, शिव जी सोनी, अखिलेश पाल, विनोद कुमार सोनगिर,डॉक्टर दीपक दुबे सहित अपने सैकड़ों साथियों के साथ पहुंचेंगे।

बस कंडक्टर ने छात्रा से दोस्ती के नाम पर किया दुष्कर्म

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • विहिप के प्रचार प्रसार प्रमुख देवा शर्मा ने बताया कि कोचिंग करने आने वाली एक कॉलेज छात्रा के साथ बस कंडक्टर द्वारा दोस्ती के नाम पर ब्लैकमेलिंग, मारपीट और दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर आरोपी बस कंडक्टर/हेल्पर निवासी महू जिला इंदौर के खिलाफ गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज करने की तैयारी की जा रही है। पीड़िता ने पुलिस को दिए शिकायत आवेदन में बताया कि वह कॉलेज की छात्रा है और पिछले दो माह से बैंकिंग प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए इंदौर स्थित एक कोचिंग संस्थान में पढ़ने आती है। कोचिंग का समय सुबह से रहता है, जिसके बाद वह अधिकतर श्रीराम बस से अपने घर लौटती है। पीड़िता के अनुसार 24 दिसंबर को श्रीराम बस के कंडक्टर/हेल्पर ने उससे बातचीत शुरू की और दोस्ती करने का प्रस्ताव रखा। उसने मोबाइल की बैटरी लो होने का बहाना बनाकर पीड़िता के मोबाइल से मिस कॉल करवाकर उसका नंबर हासिल कर लिया। इसके बाद आरोपी दिन-रात कॉल कर छात्रा को परेशान करने लगा।

कोलकाता में आज से शुरू होने वाले कॉइन एक्सपो में मुद्राशास्त्री गिरीश शर्मा आमंत्रित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • कोलकाता में 2 से 4 जनवरी तक वीआईपी रोड स्थित सप्तपर्णी बैंक्वेट हॉल पर कोलकाता कॉइन एक्सपो, 2026 का बड़ा आयोजन होने जा रहा है। यह छठी वार्षिक प्रदर्शनी और सम्मेलन के रूप में आयोजित होगा। तीन दिवसीय इस आयोजन में इंदौर के वरिष्ठ मुद्रा शास्त्री गिरीश शर्मा आदित्य को भी प्राचीन दुर्लभ भारतीय मुद्राओं पर व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किया गया है। प्रदर्शनी एवं सम्मेलन के सूत्रधार माणिक साहा, डॉ. उज्जवल साहा एवं शैलेन घोष ने बताया कि इस अवसर पर देश के सभी प्रमुख जाने-माने मुद्रा संग्राहक और विशेषज्ञ भी आमंत्रित किए गए हैं। कार्यक्रम में 4 जनवरी को गिरीश शर्मा आदित्य को वांगिया मुद्रा रत्न पुरस्कार से सम्मानित भी किया जाएगा। गिरिश शर्मा को अब तक 32 लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड प्राप्त हो चुके हैं।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

सबसे स्वच्छ शहर में जहरीला पानी, इंदौर ने फिर याद दिलाया, तमगे नहीं, जान ज्यादा जरूरी

वह अपने आप में विचित्र और अफसोसनाक है कि जिस शहर को पिछले कई वर्षों से देश के सबसे स्वच्छ शहर का तमगा मिल रहा हो, वहां दूषित पेयजल के सेवन से लोगों के मरने की खबरें आती हैं। गौरतलब है कि मप्र के इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से कई लोगों की मौत हो गई और करीब दो सौ लोगों को अस्पताल भर्ती होना पड़ा। खबरों के मुताबिक, भागीरथपुरा में नर्मदा नदी की पाइपलाइन में गंदा पानी मिल गया, जिससे पानी दूषित हो गया। लोगों ने इस पानी का सेवन शायद इसलिए भी कर लिया कि साफ और गंदे पानी में फर्क करना मुश्किल हो गया था। सवाल है कि अगर आम लोग पेयजल के लिए पानी की आपूर्ति पर निर्भर हों, तो उनके पास गंदा और दूषित पानी पहुंचने की जिम्मेदारी किसकी है। लोगों की मौत के मामले के तूल पकड़ने के बाद सरकार ने गलती मानते हुए आनन-फानन में कुछ कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही, लेकिन यह साफ है कि संबंधित महकमों की नींद तभी खुलती है, जब कोई बड़ा नुकसान हो चुका होता है। देश भर में लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना सरकार का दायित्व है, लेकिन ऐसा लगता है कि आम लोगों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है और इस क्रम में उनकी सेहत के साथ क्या होता है, इसकी परवाह शायद किसी को नहीं है। खबरों के मुताबिक, दूषित पेयजल की मार से प्रभावित इलाके में स्थानीय लोगों ने पिछले डेढ़ वर्ष से इससे होने वाली परेशानी और शिकायत के बावजूद सुनवाई न होने की बात कही। मगर सरकार के कामकाज की शैली का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पेयजल में दूषित पानी मिलने के बाद जब लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी, तब भी अगले कई दिन तक इस पर ध्यान नहीं दिया गया। इसके अलावा, पीने के पानी के पाइप लाइन से अलग गंदे पानी के निकासी की लाइन को सुरक्षित मानकों तक दूर रखने की व्यवस्था नहीं की गई, तो इसकी क्या वजह हो सकती है? क्या यह सिर्फ अक्षम अधिकारियों की अदूरदर्शिता का मामला है या फिर जानबूझ कर की गई अनदेखी का? इस तरह की लापरवाही का इलाज सिर्फ कुछ औपचारिक कदम नहीं हैं, बल्कि इसके लिए सभी स्तर पर सजगता और जिम्मेदारी की जरूरत है। विडंबना यह है कि सरकार का मकसद प्रचार के लिए किसी शहर की स्वच्छता के तमगे हासिल करना रह गया लगता है। सबसे स्वच्छ शहर कहे जाने वाले इंदौर में अगर कुछ लोगों को जहरीला पानी पीने पर मजबूर होना पड़ा, तो इस विरोधाभासी हकीकत की पड़ताल करने की जरूरत है कि ऐसे तमगे जारी किए जाने के पैमाने क्या हैं? पीने का पानी सबसे बुनियादी जरूरत है, जिसके बिना ज्यादा वक्त तक नहीं रहा जा सकता। सरकार देश भर में हर घर नल से जल पहुंचाने की योजना के तहत सबको स्वच्छ पेयजल मुहैया कराने का दावा करती है।

यह जाति की राजनीति खतरनाक खेल महाराष्ट्र राज्य को गिराने वाला नहीं है, तो और क्या ?

भारत में कई राजनीतिक दल, खासकर क्षेत्रीय दल, अपनी वोट बैंक रणनीति के लिए जातीय समीकरणों पर निर्भर रहते हैं। राज्यों में विधानसभा से लेकर मुखिया चुनाव तक में जातिगत समीकरणों के आधार पर टिकटों का बंटवारा किया जाता है। यह बात सर्वविदित है कि जातीय ध्रुवीकरण सामाजिक ताने-बाने को नुकसान पहुंचाता है और लंबे समय में अस्थिरता पैदा कर सकता है।ऐसे में शीर्ष अदालत की यह टिप्पणी में संदेश है कि राजनीतिक दलों को दलगत हितों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देना जरूरी है। यह बात गौर करने वाली है कि जातीय आधार पर वोट मांगने से समाज में विभाजन बढ़ता है, जो सामाजिक समरसता के लिए खतरा है।

ऐसा अक्सर देखने में आता है कि कई दल जातीय गणित के आधार पर टिकट वितरण, प्रचार, और नीतियां बनाते हैं। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी इशारा करती है कि यह रणनीति न केवल समाज के लिए हानिकारक है, बल्कि दीर्घकाल में दलों की विश्वसनीयता को भी नुकसान पहुंचा सकती है। इसका एक संदेश यह भी है कि राजनीतिक दलों को जाति आधारित रणनीति के बजाय योग्यता, विकास, और समग्र सामाजिक कल्याण पर आधारित रणनीति अपनानी चाहिए।

जाति की राजनीति लोकतंत्र के लिए रक्षक है या रक्षक, इस पर अक्सर बहस होती रहती है कि संसदीय लोकतंत्र की पवित्रता बनाए रखनी है तो इस तरह के खेल खेलना ठीक नहीं है। जो लोग कहते हैं कि हम विकास की राजनीति कर रहे हैं, वो इस खेल में डूबे हुए हैं, एक बार आदत पड़ गई तो आप इससे छुटकारा नहीं पा सकते हैं। चुनावी राजनीति सफल होनी है तो सब कुछ माफ किया जा सकता है। लेकिन जो खेल शुरू किया गया था, उसे पूरा नहीं किया जाना चाहिए। इसका ताजा उदाहरण महायुति सरकार द्वारा चुनाव से पहले घोषित विभिन्न जातियों के आर्थिक विकास निगम हैं। हालांकि उन्होंने बहुत चतुराई से अपना समय लिया है, लेकिन जातिगत तुष्टिकरण की यह राजनीति कई नए सवालों को जन्म देती है।

इन नए निगमों की क्या आवश्यकता थी जब राज्य पहले से ही असंख्य निगमों से भरा हुआ था और उनमें से पचास पूरी तरह से जर्जर थे? इसके जवाब में सत्तारूढ़ दल के विधायकों ने बुधवार को विधानसभा में दिखाया कि वे कंपनियों के रूप में पंजीकृत होंगे, भले ही उनके नाम में 'निगम' शब्द हो, और उन्हें उसी के अनुसार चलाया जाएगा। चर्चा में भाग लेने वाले सभी विधायकों ने कहा कि खूब दान करने वाले दादा ओबीसी के इन निगमों को पूरी तरह से नजरअंदाज करते हैं। जब तीन दलों का गठबंधन होता है तो ऐसे बर्तन टकराते रहते हैं, इसलिए इस बात को एक पल के लिए नजरअंदाज किया जा सकता है, लेकिन जातियों के उत्थान के लिए बने इन मंडलों का क्या?क्या वह धन की कमी के कारण केवल कागज के घोड़ों पर नृत्य करेगी?

ओबीसी श्रेणी के मामले में, जो महागठबंधन में सबसे बड़ी पार्टी भाजपा का वोट बैंक है, लोकसभा चुनाव के नतीजों से पता चला कि वह उनसे हार गई है, भाजपा हमेशा जातीय समीकरणों के छोटे वर्गों पर सचेत रूप से ध्यान देती रही है। कुनबी, माली आदि बड़ी जातियां हैं, लेकिन इन निगमों को इस बात को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया था कि अगर उन्हें एक ही श्रेणी में सैकड़ों लेकिन कम आबादी वाली छोटी जातियों के करीब लाया जाए तो यह अधिक फायदेमंद होगा। यह मॉडल चुनावी सफलता के लिए उपयोगी हो सकता है, लेकिन अब क्या? क्या इन निगमों को अपने हाल पर रखने के लिए मरना नहीं है? एक साल पहले, सरकार ने घोषणा की थी कि उद्योगों और व्यवसायों के लिए ऋण के वितरण के लिए प्रत्येक निगम को 50 करोड़ रुपये दिए जाएंगे, और सरकार इस पर ब्याज का भुगतान करेगी। वास्तव में, इनमें से केवल चार से पांच निगमों ने ऋण वितरण की प्रक्रिया शुरू की और 29,000 लाभार्थियों को केवल 4 करोड़ रुपये वितरित किए गए। न तो लाभार्थी निर्धारित किया गया था। सरकार ने घोषणा के समय यह भी तय किया था कि इन प्रतिष्ठानों को कैसे शासित किया जाएगा। दरअसल, इनमें से हर एक निगम अतिरिक्त प्रभार रखने वाले अधिकारियों के बल पर कागजों पर चल रहा है। कोई कार्यालय नहीं है, कोई कर्मचारी नहीं है। जिस ओबीसी निगम की संरक्षकता में ये मंडल काम कर रहे हैं, उसके राज्य भर में कार्यालय नहीं हैं। इससे पता चलता है कि कैसे वोट पाने का खेल आधा ही रह गया है। अब जब यह सब गड़बड़ सामने आती है तो सरकार कह रही है कि वह सभी को फंड देगी और हर निगम में एक ही जाति के तीन गैर-सरकारी सदस्यों को नियुक्त करेगी, लेकिन कोई गारंटी नहीं दे सकता कि वह दिन वास्तव में कब आएगा।

आम चुनाव से पहले सरकार ने घोषणा की थी कि वह हर जाति के संत के नाम पर पुरस्कार देगी, पुरस्कार तो दूर की बात है, अब समय आ गया है कि इन छोटे जाति समूहों को यह कहे कि उन्हें आर्थिक सशक्तिकरण के लिए आवश्यक वित्तपोषण पर ध्यान देना चाहिए, पुरस्कार की तो बात ही छोड़ दें। एक तरफ पार्टी को न्यूनतम शासन और अधिकतम जनकल्याण के आकर्षक नारे लगाने चाहिए और दूसरी तरफ वही प्रशासन वोट के लिए जोखिम बढ़ाने की नीति क्या है? यह जानते हुए कि निगम का यह खेल खतरनाक था, यह जानबूझकर खेला गया था। अब अजीत दादा को दोष देना कितना सही है कि उन्होंने देखते ही फंड नहीं दिया? इन सभी निगमों के पदेन अध्यक्ष अतुल सावे बहुजन कल्याण मंत्री हैं। पिछले एक साल से वे क्या कर रहे हैं? धन प्राप्त करने के लिए उन्होंने क्या प्रयास किए? बेशक, जवाब कभी नहीं मिलेंगे, लेकिन इस मौके पर सरकार को जो प्यार मिला है, उसका क्या? राजनीतिक सफलता किसी न किसी तरह से शासन करके हासिल की जा सकती है, लेकिन इससे पैदा होने वाली प्रशासनिक अराजकता का क्या?

सारथी, महाज्योति और बार्टी जैसे संस्थान पहले ही मराठों, सभी ओबीसी और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों के लिए शुरू किए जा चुके हैं, जिन्हें शुरू में स्वायत्त निकायों के रूप में जाना जाता था, जिन्हें धीरे-धीरे सरकार ने अपने कब्जे में ले लिया था। सामाजिक समरसता की गड़बड़ भी उतनी ही गंभीर है। इससे ज्ञान सीखे बिना, इस नए निगम के घोड़ों को आगे बढ़ा दिया गया। अगर सरकार की आर्थिक स्थिति अच्छी होती तो अलग-अलग जातियों के कल्याण के इस प्रयोग को हल्के में लिया जा सकता था, लेकिन ऐसा नहीं है। सरकार ने इसी सत्र में घोषणा की है कि वह राजनीतिक लाभ के कारण बहनों का मानदेय जरूर बढ़ाएगी। जब यह हल्ला मच रहा है कि वे इन नस्लों को धन के वादे पर लटकाकर रखेंगे, तो क्या वे थोड़े से पैसे देकर फुसफुसाते रहेंगे? अगर यह खतरनाक खेल राज्य को गिराने वाला नहीं है, तो और क्या?

अशोक भाटिया,
वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार ,लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

लोखंडिया में मोती माता का सात दिवसीय मेला शुरू, 5 लाख श्रद्धालु पहुंचने की उम्मीद

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● बुरहानपुर के ग्राम लोखंडिया में आज (गुरुवार) मोती माता का सात दिवसीय मेला शुरू हो गया है। इस मेले में 5 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है, जो 7 जनवरी तक चलेगा। यह मेला 22 एकड़ क्षेत्र में लगाया गया है, जिसमें लगभग 12 एकड़ में पार्किंग की व्यवस्था की गई है। भक्तों द्वारा माता को डेढ़ हजार क्विंटल मिठाई चढ़ाई जाएगी। मेले में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है। चोरी और पॉकेटमारी जैसी घटनाओं पर नजर रखने के लिए पंचायत और मंदिर समिति ने लगभग 25 सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं। झूलों के आसपास भी कैमरे लगाए गए हैं। अग्निशमन यंत्रों की भी व्यवस्था की गई है और बाहर से अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया है। गुरुवार को नेपानगर एसडीएम भागीरथ वाखला और खकनार थाना टीआई अभिषेक जाधव ने मेला स्थल का निरीक्षण किया। एसडीएम ने बताया कि श्रद्धालुओं को बिना किसी परेशानी के तुरंत दर्शन हो सकें, इसके लिए आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सिरपुर मार्ग और दर्शन के बाद जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए डोईफोड़िया मार्ग निर्धारित किया गया है।

मेले में तीन पार्किंग स्थल बनाए गए हैं, जो स्थानीय और प्रदेश के बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए हैं। तहसीलदार, नायब तहसीलदार और पटवारी सहित अन्य अधिकारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है। श्रद्धालुओं की मान्यता है कि मोती माता हर मन्नत पूरी करती हैं। मन्नत पूरी होने पर भक्त यहां 'तुलादान' करते हैं, जिसका मंदिर में विशेष महत्व है।

7 जनवरी तक चलेगी मेला

मंदिर के पुजारी बाबू महाराज के अनुसार, भक्त बीमारी दूर करने सहित अन्य परेशानियों के लिए मन्नत मांगते हैं और समस्या दूर होने पर मिठाई से तुलादान कर माता रानी को प्रसाद चढ़ाते हैं। मेले के दौरान, पूर्णिमा के अवसर पर 3 जनवरी का दिन विशेष रहेगा। इस दिन माता का विशेष श्रृंगार कर महाआरती की जाएगी और मंदिर पर ध्वज चढ़ाया जाएगा। मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष लक्ष्मण झामू ने बताया कि हर साल मध्य प्रदेश के साथ-साथ महाराष्ट्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और कर्नाटक से भी भक्त माता के दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

शुरूआत में ही फेल हुई उद्ववहन सिंचाई परियोजना पानी अंतिम छोर तक पहुंचे-ज्ञानेश्वर पाटिल

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ●जावर उद्वहन सिंचाई परियोजना के शुरुआत के दौरान खामियां देखने को मिल रही हैं। पाइपलाइन पानी का प्रेशर नहीं झेल पा रही हैं। नहर के भरोसे बोवनी कर चुके किसान अब आक्रोशित हैं। बुधवार को सांसद-विधायक ने कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक ली। बैठक में सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, विधायक नारायण पटेल, छाया मोरे, कंचन तनवे, जिला पंचायत अध्यक्ष पिंकी वानखेडे के साथ कलेक्टर ऋषव गुप्ता सहित जल संसाधन विभाग और नर्मदा घाटी विकास विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। सांसद ने स्पष्ट निर्देश दिए कि हर हाल में योजनाओं के माध्यम से खेतों तक समय पर पानी पहुंचे।

सांसद पाटिल ने अधिकारियों से कहा कि किसानों और जनप्रतिनिधियों से नियमित संवाद कर सिंचाई योजनाओं से जुड़ी समस्याओं की जानकारी लें और उनका समयबद्ध निराकरण करें। उन्होंने निर्देश दिए कि विद्युत आपूर्ति निर्धारित शेड्यूल के अनुसार हो और उसी के अनुरूप खेतों तक पानी पहुंचाया जाए। जावर क्षेत्र में सिंचाई को लेकर आ रही समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने एसडीएम खंडवा को गुरुवार को मौके पर जाकर किसानों और विभागीय अधिकारियों के साथ निरीक्षण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने एसडीएम को अपने-अपने क्षेत्रों में सिंचाई योजनाओं की सतत निगरानी कर किसानों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर निराकरण सुनिश्चित करने को कहा।

सांसद गजेंद्र पटेल ने नर्मदा आरती की परिक्रमावासियों संग मंदिर में रात रूके

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● खरगोन-बड़वानी के सांसद गजेंद्र पटेल अपनी नर्मदा परिक्रमा यात्रा के दौरान बुधवार रात महेश्वर पहुंचे। यहां उन्होंने अपनी पत्नी के साथ मिलकर मां नर्मदा की महाआरती में हिस्सा लिया और पूजा-अर्चना की। खास बात यह रही कि सांसद ने किसी बड़े विश्राम गृह में रुकने के बजाय आम परिक्रमावासियों के साथ बांके बिहारी मंदिर में रात बिताई। रात करीब 8 बजे महेश्वर पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने सांसद का स्वागत किया। पाटीदार समाज के तहसील अध्यक्ष महेश पाटीदार के घर पर स्वागत के बाद वे सीधे नर्मदा तट पहुंचे। यहां उन्होंने घाट पर होने वाली महाआरती में भाग लिया। इस दौरान पूरा तट 'नर्मदे हर' के जयकारों से गूंज उठा। इस मौके पर पूर्व विधायक भूपेंद्र आर्य और नगर परिषद के प्रतिनिधियों समेत कई पदाधिकारी भी मौजूद रहे। अपनी यात्रा के बारे में बात करते हुए सांसद गजेंद्र पटेल ने कहा कि मां नर्मदा की परिक्रमा करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने घाटों पर होने वाली आरती के स्वरूप की तारीफ की और कहा कि इससे न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि श्रद्धालुओं को भी आत्मिक शांति मिलेगी।

स्वागत कार्यक्रम और आरती के दौरान नगर परिषद उपाध्यक्ष सचिन शर्मा, भाजपा जिला मंत्री सिंधु जोशी और बड़ी संख्या में स्थानीय पार्षद और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने सांसद की इस धार्मिक यात्रा की सराहना की। मां नर्मदा के प्रति अपनी आस्था प्रकट करते हुए सांसद ने महेश्वर की आध्यात्मिक सुंदरता और यहां की व्यवस्थाओं को गौरवशाली बताया।

बड़वाह में 140 तोतों की मौत, डिप्टी डायरेक्टर ने फूड पॉइजनिंग आशंका जताई

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● बड़वाह में एक्वाडक्ट पुल के पास पिछले तीन दिनों में 140 तोतों की मौत का मामला भोपाल तक पहुंच गया है। खरगोन कलेक्टर और पशु चिकित्सा एवं डेयरी विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर गुरुवार सुबह विभाग के उपसंचालक जी.एस. सोलंकी बड़वाह पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया और स्थानीय पशु चिकित्सकों के साथ बैठक की।

निरीक्षण के बाद उपसंचालक सोलंकी ने प्रारंभिक जांच में इसे 'बर्ड फ्लू' या किसी संक्रामक बीमारी का मामला मानने से इनकार किया। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया यह 'फूड पॉइजनिंग' (विषाक्त भोजन) का प्रतीत हो रहा है। हालांकि, इसकी अंतिम पुष्टि के लिए भोपाल और जबलपुर लैब से विसरा रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। सावधानी के तौर पर क्षेत्र के सभी पोल्ट्री फार्मों की जांच की गई है, जहां बर्ड फ्लू का कोई लक्षण नहीं मिला है। उपसंचालक ने इस मामले में वन विभाग के रवैये को 'सुस्त' बताया और नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि पशु चिकित्सा विभाग सक्रिय है, लेकिन वन विभाग को जिस मुस्तैदी से काम करना चाहिए था, वह नहीं दिखी। सोलंकी के अनुसार, पुल पर लोगों को दाना डालने से रोकने के लिए वनकर्मियों की ड्यूटी लगाई जानी चाहिए थी। उन्होंने यह भी बताया कि इस संबंध में एसडीओ से की गई बातचीत का जवाब संतोषजनक नहीं था। उपसंचालक के घटनास्थल निरीक्षण के दौरान बगीचे में बांस और अन्य पेड़ों पर अब भी मृत तोतों के शव लटके हुए मिले। हालांकि, जमीन पर कोई नया शव नहीं पाया गया। सोलंकी ने डॉ. जितेंद्र सैते और उनकी टीम को अगले कुछ दिनों तक लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। पशु चिकित्सक डॉ. सुरेश बघेल ने बताया कि लोग अभी भी पुल की रेलिंग पर चावल और अन्य सामग्री डाल रहे हैं, जिसे आज हटाया गया। उन्होंने जनता से अपील की है कि कुछ दिनों तक दाना न डालें और यदि डालें तो केवल साफ ज्वार-बाजरा ही डालें, चावल नहीं। फॉरेस्ट रेंजर निशांत डोसी ने जानकारी दी कि वनकर्मी निगरानी कर रहे हैं और नगर पालिका ने सफाई कार्य भी किया है।

अवैध वनोपज परिवहन रोकने के लिए अब रेंज ऑफिस की लगेगी रबड़ मोहर

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● अवैध वनोपज के व्यापार व उनके परिवहन पर रोक लगेगी। अब बिक्री बिलों पर रेंज ऑफिस खंडवा की रबड़ मोहर (सील) लगाई जाएगी। ये निर्णय 1 जनवरी से लागू होंगे। दी निमाड़ फॉरेस्ट टिंबर एसोसिएशन, फर्नीचर मार्ट एसोसिएशन की बैठक वन परिक्षेत्र अधिकारी सामान्य शंकरसिंह चौहान के साथ मंगलवार को रेंज कार्यालय खंडवा में हुई। इसमें जिले में अवैध वनोपज के व्यापार व उसके परिवहन को रोकने के लिए निर्णय लिए गए हैं। 1 जनवरी 2026 से समस्त लकड़ी व्यापारी व फर्नीचर व्यापारी के बिक्री के बिलों पर रेंज ऑफिस खंडवा की रबड़ मोहर लगाना अनिवार्य किया गया है। दी निमाड़ फॉरेस्ट टिंबर एसोसिएशन के अध्यक्ष रमेशचंद मित्तल ने अवैध वनों की कटाई व परिवहन को रोकने का एक दृढ़ कदम उठाना बताया। फर्नीचर एसोसिएशन के अध्यक्ष रमेश पासी ने कहा यह निर्णय अवैध गतिविधियों पर नकल कसेगा। अब से जिले में बिना रबड़ की सील लगे कोई बिल से लकड़ी या कास्ट का परिवहन अवैध माना जाएगा। इस मौके पर संस्था के नरेंद्र पटेल, किरण पटेल, इरशाद खान, सुमित पटेल, कपिल पटेल, राजेश पटेल, राहुल पटेल, मयूर पटेल, धर्मेंद्र पासी, दीपक पासी, शेरू पासी आदि मौजूद रहे।

फरवरी में नर्मदा ब्रिज का टू-लेन खुलेगा:अब 2 घंटे में खंडवा-इंदौर का सफर होगा

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● नए साल में खंडवा से इंदौर की यात्रा आसान और तेज हो जाएगी। फरवरी-2026 में सनावद-बड़वाह के बीच नर्मदा नदी पर बन रहे 1275 मीटर लंबे ब्रिज का टू-लेन एनएचएआई वाहनों के लिए खोल देगा। इससे इस क्षेत्र में लगने वाले जाम से मुक्ति मिलेगी और यात्रा समय में बड़ी बचत होगी। 140 करोड़ की लागत से बन रहे 6-लेन ब्रिज का करीब 85% काम पूरा हो चुका है। अप्रैल-2026 तक बलवाड़ा से शाहपुर तक 145 किमी नेशनल हाईवे भी चालू होने की उम्मीद है। वहीं इंदौर-एदलाबाद (मुक्ताईनगर) 216 किमी हाईवे दिसंबर-2026 तक पूरा होगा। नए हाईवे से खंडवा-इंदौर का सफर 3.30-4 घंटे की जगह सिर्फ 2 घंटे में तय होगा। बुरहानपुर से इंदौर की दूरी भी 3 घंटे में सिमट जाएगी।

राशिद की कप्तानी में टी20 विश्वकप में उतरेगी अफगानिस्तान की टीम

काबुल(एजेंसी) ● अफगानिस्तान ने अगले माह भारत और श्रीलंका मे होने वाले टी-20 विश्व कप 2026 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस टीम की कप्तानी स्टार स्पिनर राशिद खान को दी गयी जबकि इब्राहिम जादरान को उपकप्तान बनाया गया है। अफगान टीम को विश्वकप से पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज भी खेलनी है।

विश्वकप के लिए फजलहक फारूकी और गुलबदीन नईब को टीम में शामिल किया गया है। इन दोनो को ही इससे पहले हुए बांग्लादेश दौरे के लिए भी शामिल नहीं किया गया था। वहीं मुजीब उर रहमान और नवीन-उल-हक को भी टीम में शामिल किया गया है। नवीन इससे पहले एशिया कप के दौरान फिटनेस कारणों से टीम से बाहर थे।

वहीं युवा मिस्ट्री स्पिनर गजनफर को रिजर्व खिलाड़ियों में रखा गया है। उनके साथ इजाज अहमदजई और जिया उर रहमान शरीफी को भी रिजर्व सूची में शामिल किया है। । अफगान टीम पिछली बार टी-20 विश्वकप के सेमीफाइनल में पहुंची थी। उसने तब न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज, ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश को पराजित किया था।

वहीं विश्वकप से पहले अफगानिस्तान और वेस्टइंडीज के बीच 19 से 22 जनवरी तक टी-20 सीरीज खेली जाएगी। टी-20 विश्व कप 2026 में अफगानिस्तान को ग्रुप डी में न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, यूएई और कनाडा के साथ रखा गया है।

भारतीय वनडे टीम का ऐलान कल शुभमन गिल होंगे कप्तान

नई दिल्ली (एजेंसी) ● भारत और न्यूजीलैंड के बीच 11 जनवरी से तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज के लिए अभी तक भारतीय वनडे स्क्वाड का ऐलान नहीं हुआ है। इसके बाद होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज में वही स्क्वाड खेलने उतरेगा जो टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लेगा। बीसीसीआई के एक सूत्र ने जानकारी दी है कि तीन जनवरी को चीफ सिलेक्टर अजीत आगरकर चयन समित के साथ ऑनलाइन मीटिंग करेंगे। इस मीटिंग में ही भारत का वनडे स्क्वाड चुना जाएगा। भारत के नए वनडे कप्तान शुभमन गिल की अपनी दूसरी वनडे सीरीज में बतौर कप्तान वापसी लगभग तय है। पिछले महीने अफ्रीका वनडे सीरीज में वह गर्दन की इंजरी के कारण नहीं खेल पाए थे। टीम इंडिया के उपकप्तान श्रेयस अय्यर की इस सीरीज में भी वापसी मुश्किल है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर चोटिल होने और भयंकर इंजरी के बाद से अय्यर बाहर हैं। बीसीसीआई के सीओई में एक हफ्ते और रिकवरी करने की उन्हें सलाह दी गई। इसके अलावा जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या को इस सीरीज के लिए आराम देने की जानकारी मिली है। वर्कलोड मैनेज करने और टी-20 वर्ल्ड कप 2026 को ध्यान में रखते हुए दोनों को आराम दिया जा सकता है। केएल राहुल टीम के पास बतौर विकेटकीपर मौजूद हैं।

सैयामी नए साल की शुरुआत लंबी दौड़ से की

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेत्री सैयामी खेर ने भी बताया कि वह नए साल का स्वागत परिवार की पुरानी परंपराओं के साथ करेंगी। सैयामी दिन की शुरुआत एक लंबी दौड़ से करेंगी, उसके बाद अपनों के साथ कैंपिंग, बारबेक्यू और मस्ती का प्लान है। अभिनेत्री सैयामी खेर नए साल की शुरुआत परिवार और दोस्तों के साथ घर पर समय बिताकर करेंगी। उनका मानना है कि नया साल अपनों के साथ मनाना सबसे खास होता है। परिवार की परंपरा को निभाते हुए वह पहले दिन की शुरुआत एक लंबी दौड़ से करेंगी। सैयामी ने बताया, 'नया साल परिवार और दोस्तों के साथ घर पर मनाना सबसे खास होता है। यह हमारी पुरानी परंपरा है। दोस्तों के साथ अलाव जलाते हैं, बारबेक्यू करते हैं, टेंट लगाकर बाहर कैंपिंग करते हैं।' इस बार सैयामी ने अपने जश्न में फिटनेस का तड़का लगाने का फैसला किया है। सैयामी ने कहा, 'इस नए साल को मैं धमाकेदार तरीके से खत्म करना चाहती हूं, इसलिए सुबह 31 किलोमीटर दौड़ी। फिर खाना, डेजर्ट, संगीत, बोर्ड गेम्स और कैंपिंग जैसा सामान्य जश्न।' सैयामी खेर फिटनेस के लिए जानी जाती हैं।

फिल्म 'द राजा साब' सिनेमाघरों में 9 जनवरी को होगी रिलीज

मुंबई (एजेंसी) ● नए साल में 9 जनवरी को फिल्म द राजा साब सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इससे पूर्व प्रभास, संजय दत्त, बोमन ईरानी स्टारर द राजा साब का नया ट्रेलर रिलीज हो गया है। यह ट्रेलर फिल्म की कहानी, इसके रहस्य और रोमांच की दुनिया में गोते लगाती है। मारुति के डायरेक्शन में बनी इस हॉरर कॉमेडी के इस नए ट्रेलर को 2.0 नाम दिया गया है और यकीनन इसे देखकर प्रभास की फिल्म से उम्मीदें बढ़ जाती हैं। फिल्म का प्लॉट पिछले ट्रेलर से ही सामने आ गया था, जहां प्रभास के किरदार की नजर अपनी तंगी से छुटकारा पाने के लिए विरासत में मिले महल पर है। लेकिन असल में माया महल का तिलिस्म उसके दादा से जुड़ा है। इस नए ट्रेलर में हमें प्रभास का जबरदस्त एक्शन, संजय दत्त का खूंखार अंदाज और बोमन ईरानी नजर आते हैं। मुंह में सिगार और धांसू एक्शन करते प्रभास की द राजा साब में बोमन ईरानी इस बार सरप्राइज एलिमेंट की तरह हैं। वह कहानी की परतों से दर्शकों को रूबरू करवाते हैं।

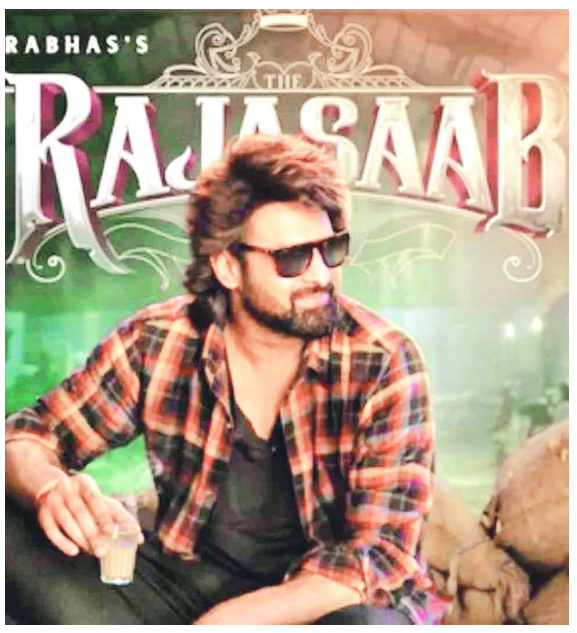

उज्जैन संभाग

महाकाल मंदिर में भीड़ नियंत्रण के लिए एआई सिस्टम लगाया, पुलिस का ड्रोन और एआई से क्राउड मैनेजमेंट

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●महाकाल मंदिर में देशभर से दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा, क्राउड मैनेजमेंट और हेड काउंटिंग के लिए पुलिस एआई और पांच ड्रोन की मदद से निगरानी रख रही है। मंदिर से 20 किलोमीटर तक के क्षेत्र में पहुंचने वाली भीड़ की ड्रोन से लाइव फीड महाकाल मंदिर के कंट्रोल रूम में दिखाई दे रही है। कंट्रोल रूम में लाइव फीड देखकर एसपी उज्जैन पूरी भीड़ का नियंत्रण कर रहे हैं। यदि यह भीड़ नियंत्रण प्रणाली सफल रहती है, तो आने वाले कुंभ मेले में भी इसी तरह एआई और ड्रोन तकनीक का उपयोग किया जाएगा। नए साल पर महाकाल मंदिर में उमड़ी भारी भीड़ को देखते हुए दृष्टि एआई और इनसाइट एविएशन, भोपाल की टीम को उज्जैन पुलिस ने क्राउड मैनेजमेंट के लिए तैनात किया है। एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि पांच ड्रोन मंदिर परिसर और शहर में भीड़ की निगरानी कर रहे हैं।

सभी ड्रोन एआई से जुड़े हुए हैं, जिससे श्रद्धालुओं की आवाजाही को ट्रैक किया जा रहा है। इससे पुलिस को भीड़ जाम, हेड काउंट, भीड़ बढ़ने की स्थिति, सिंगल प्वाइंट और पैनिक जैसी स्थितियों की जानकारी मिल रही है। ड्रोन को इंदौर और देवास रोड पर भी तैनात किया गया है। इन रास्तों से आने वाले वाहनों की ट्रैकिंग की जा रही है और वाहनों की गिनती भी पुलिस को लाइव फीड के माध्यम से मिल रही है। एक ड्रोन से चार किलोमीटर के दायरे तक निगरानी की जा रही है। पांचों ड्रोन से मिले वीडियो फीड और डेटा को एसपी उज्जैन अपने मोबाइल पर भी देख रहे हैं और स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

मध्यप्रदेश में नए साल 2026 के पहले दिन मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी हुई है। उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर में दर्शन के लिए मंदिर परिसर के बाहर श्रद्धालुओं की करीब डेढ़ किलोमीटर लंबी लाइन लगी है। सुबह 11 बजे तक करीब 85 हजार श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। विश्वकप विजेता महिला क्रिकेट टीम की सदस्य भी बाबा का आशीर्वाद लेने पहुंची।

सड़क सुरक्षा को लेकर सख्त चेकिंग अभियान नए साल पर ब्रैथ एनालाइजर से जांच

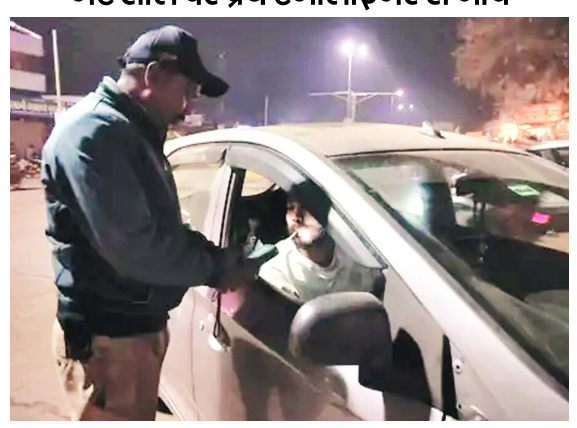

दैनिक इंदौर संकेत

आगर - मालवा ● जिले में नए साल के आगमन पर शांति व्यवस्था और सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस ने सख्त अभियान शुरू किया है। इसी कड़ी में आगर मालवा शहर और नलखेड़ा क्षेत्र में विशेष चेकिंग प्वाइंट स्थापित किए गए हैं। यह अभियान नए साल के जश्न के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के उद्देश्य से लगातार जारी है।

पुलिस की ओर से आगर मालवा के छावनी चौराहा, बड़ौद चौराहा और बस स्टैंड जैसे प्रमुख स्थानों पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान दोपहिया और चारपहिया वाहनों को रोककर चालकों की जांच की जा रही है।

शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है और पुलिसकर्मी ब्रेथ एनलाइजर का उपयोग कर मौके पर ही चालकों की जांच कर रहे हैं। हालांकि, अब तक शराब पीकर वाहन चलाने का कोई मामला सामने नहीं आया है।

यातायात नियम तोड़ने पर कार्रवाई

यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है। यातायात सूबेदार जगदीश यादव ने बताया कि करीब एक दर्जन से अधिक वाहन चालकों को समझाइश देकर छोड़ा गया है, वहीं 4 बाइक चालकों पर चालानी कार्रवाई की गई है।

इनमें वाहन पर तीन सवारी बैठाने, मोबाइल पर बात करते हुए बाइक चलाने और बिना हेलमेट वाले चालक शामिल थे। इसी तरह नलखेड़ा नगर के शिवाजी चौराहा पर भी सघन जांच अभियान जारी है। यहां भी वाहन चालकों की शराब सेवन की जांच की जा रही है।

नियम तोड़ने वालों पर सख्ती, जिम्मेदार जश्न की अपील

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नववर्ष के जश्न के दौरान अक्सर लोग लापरवाही बरतते हैं, जिससे सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। इसी आशंका को देखते हुए यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे जिम्मेदारी से नए साल का जश्न मनाएं, शराब पीकर वाहन न चलाएं और यातायात नियमों का पालन करें। पुलिस प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मक्सी रोड पर पांच एकड़ में बनेगा सर्वसुविधायुक्त डिपो

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●शहर में ई-बसों के अत्याधुनिक डिपो के लिए टेंडर हो गए हैं। डिपो निर्माण की डेड लाइन 9 महीने हैं। जो कि मक्सी रोड पर पांच एकड़ जमीन में बनना है। डिपो बनने के बाद बसों का संचालन शुरू हो पाएगा। प्रदूषण में कमी लाने और यात्रियों को बेहतर परिवहन के लिहाज से सरकार ई-बसों का संचालन करने जा रही हैं। उज्जैन को 100 ई-बसें मिलने जा रही हैं। इनमें से 70 बसें 7 मीटर वाली और 30 बसें 9 मीटर वाली रहेगी। इनके रूट जल्द तय किए जाएंगे। वर्तमान में बसों के डिपो के निर्माण के लिए प्रक्रिया शुरू हो रही हैं। एडिशनल कमिश्नर नगर निगम पवन सिंह ने बताया कि ई-बसों के डिपो के लिए टेंडर हो गए हैं। जिसे स्वीकृति के लिए एमआईसी में भेजा है। वर्क आर्डर के बाद निर्माण की अवधि 9 महीने हैं।

उद्योग-मेडिकल का नया पावरहाउस, 35 नई यूनिट्स शुरू होंगी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●उद्योगपुरी औद्योगिक क्षेत्र और मेडिकल डिवाइस पार्क जैसे मेगा प्रोजेक्ट्स उज्जैन को निवेश, रोजगार और नवाचार का नया केंद्र बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं। 2026 में 35 नई औद्योगिक यूनिट्स का संचालन शुरू होने वाला है। 2025 में भी करीब 17 यूनिट्स की शुरुआत हो चुकी है। डीएमआईसी-विक्रम उद्योगपुरी और मेडिकल डिवाइस पार्क की 31 दिसंबर तक की सूची के अनुसार नामी कंपनियों ने यहां निवेश दर्ज कराया है। दोनों औद्योगिक क्षेत्रों में 2,928 करोड़ से अधिक का निवेश होगा। 6,300 से ज्यादा रोजगार मिलेंगे। उद्योगपुरी में 14 और मेडिकल डिवाइस पार्क में 21 नई यूनिट्स से उत्पादन शुरू होने की तैयारी है।

रिटायर्ड मजिस्ट्रेट की कार ने दो बहनों को कुचला, अस्पताल में भर्ती, पुलिस ने केस दर्ज किया

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● नागदा बायपास रोड पर बुधवार दोपहर 12 बजे महाराणा प्रताप चौराहे के पास हादसा हो गया। यहां मंदसौर की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने स्कूटर सवार दो बहनों को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में दोनों छात्राएं बुरी तरह घायल हो गई हैं।पुलिस के मुताबिक, जिस कार से टक्कर हुई है वह मंदसौर के एक रिटायर्ड मजिस्ट्रेट की है, जिसे उस समय उनका ड्राइवर चला रहा था और रिटायर्ड मजिस्ट्रेट पीछे बैठे थे।

कॉलेज जाने के दौरान हुआ हादसा

घायल छात्राओं की पहचान नागदा की रहने वाली खुशी यादव और उनकी छोटी बहन सोनाक्षी यादव के तौर पर हुई है। खुशी सरकारी कॉलेज में बीए फाइनल ईयर की छात्रा हैं और शनिवार को अपनी प्रोजेक्ट रिपोर्ट जमा करने कॉलेज जा रही थीं। उनकी छोटी बहन सोनाक्षी, जो नौवीं क्लास में पढ़ती हैं, वह भी उनके साथ स्कूटर पर थी। जैसे ही दोनों बहनें चौराहे के पास पहुंचीं, कार ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों काफी दूर जाकर गिरीं।

घायल बहनों का अस्पताल में इलाज जारी

हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत मदद की और दोनों बहनों को अस्पताल पहुंचाया। बड़ी बहन खुशी की हालत ज्यादा गंभीर होने के कारण उन्हें प्राथमिक इलाज के बाद उज्जैन के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, छोटी बहन सोनाक्षी का इलाज नागदा के अस्पताल में ही चल रहा है। डॉक्टर दोनों की सेहत पर लगातार नजर रखे हुए हैं।

ड्राइवर फरार, पुलिस ने केस दर्ज किया

पुलिस ने ड्राइवर पर दर्ज किया केस पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कार चला रहे ड्राइवर की पहचान 54 साल के सत्यनारायण सोलंकी के रूप में हुई है, जो मंदसौर के खानपुरा का रहने वाला है।पुलिस अब गवाहों के बयान और मौके की स्थिति के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

न्यूज ब्रीफ

रेलवन ऐप पर अनारक्षित टिकट बुकिंग पर 3% लाभ की सुविधा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

रतलाम ● यात्रियों को डिजिटल भुगतान के माध्यम से टिकट बुकिंग के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रेलवे बोर्ड द्वारा रेलवन ऐप पर सभी डिजिटल भुगतान माध्यमों से अनारक्षित टिकट बुकिंग पर 3% लाभ प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। 'पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार अनुसार, वर्तमान में रेलवन ऐप पर आर-वॉलेट के माध्यम से अनारक्षित टिकट बुक करने पर यात्रियों को 3% बोनस कैशबैक की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस पहल को और अधिक विस्तार देते हुए रेलवे बोर्ड द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि अब रेलवन ऐप पर आर-वॉलेट के अतिरिक्त सभी डिजिटल भुगतान माध्यमों से अनारक्षित टिकट बुक करने पर यात्रियों को टिकट मूल्य पर 3% की छूट प्रदान की जाएगी। वहीं, आर-वॉलेट के माध्यम से अनारक्षित टिकट बुकिंग की स्थिति में पूर्व की भांति 3% बोनस कैशबैक की सुविधा यथावत जारी रहेगी।

जिले के मदिरा एकल समूह क्र. आईएनडी-3 द्वारकापुरी का ई-टेंडर द्वारा पुनर्निष्पादन 6 को

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर जिले में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिये मदिरा एकल समूह क्रमांक IND-3 द्वारकापुरी क्षेत्र की 03 कंपोजिट मदिरा दुकानें क्रमशः द्वारकापुरी, अहिरखेड़ी एवं रेत की मंडी चौराहा के लाइसेंसों को कलेक्टर जिला इंदौर के आदेश 01 जनवरी 2026 से निरस्त किए गए है। फलस्वरूप वित्तीय वर्ष 2025-26 की शेष अवधि 07 जनवरी से 31 मार्च 2026 तक के लिए उक्त समूह का ई-टेण्डर के माध्यम से पुनर्निष्पादन हेतु एनआईसी के एमपी टेंडर्स पोर्टल की वेबसाइट के माध्यम से ई-टेण्डर आमंत्रित किए गए है। सहायक आयुक्त आबकारी इंदौर के अनुसार कोई भी इच्छुक व्यक्ति/फर्म/एल.एल.पी./ कम्पनी/कन्सोर्टियम उक्त वेबसाइट पर जाकर 06 जनवरी 2026 को प्रातः 11.30 बजे तक अपना ई-टेंडर/ई-टेण्डर कम ऑक्शन के माध्यम से जमा कर सकता है।

प्रदेश में नहीं बनेगा कोई नया जिला, जनगणना होने तक लगा ब्रेक

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्यप्रदेश में नए जिले और तहसील बनाने की लंबे समय से चल रही मांगों पर फिलहाल विराम लग गया है। केंद्र सरकार के आधी रात में जारी आदेश के बाद राज्य में अब जनगणना पूरी होने तक कोई नया जिला, तहसील या प्रशासनिक इकाई अस्तित्व में नहीं आ सकेगी।

आधी रात से लागू हुआ केंद्र का आदेश-केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर 31 दिसंबर 2025 की मध्यरात्रि से मध्य प्रदेश के सभी जिलों, तहसीलों, थानों और अन्य प्रशासनिक इकाइयों की सीमाएं फ्रीज कर दी गई हैं। इसका साफ अर्थ है कि अब जनगणना खत्म होने तक किसी भी तरह का सीमा परिवर्तन संभव नहीं होगा।

अब यहीं रहेंगे जिले और तहसील-सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि जनगणना प्रक्रिया के दौरान प्रशासनिक ढांचे में स्थिरता जरूरी है। इसी कारण न तो नए जिले बनाए जाएंगे और न ही पुरानी सीमाओं में कोई बदलाव किया जाएगा।

नेताओं की मांगों पर फिरा पानी-वर्षों से उठ रही आवाजें फिलहाल ठंडी प्रदेश में कई क्षेत्रों से जिले और तहसील बनाने की मांग लंबे समय से उठ रही थी। सांसद, विधायक और मंत्री स्तर पर लगातार दबाव बनाया जा रहा था, लेकिन अब इन सभी मांगों पर अस्थायी तौर पर पानी फिर गया है।

8 नई तहसीलों का प्रस्ताव फाइलों में कैद-राजधानी भोपाल में प्रशासनिक पुनर्गठन के तहत 8 नई तहसीलों के गठन की तैयारी अंतिम चरण में थी। लेकिन सीमा फ्रीज होने के बाद यह पूरा प्लान फिलहाल ठंडे बस्ते में चला गया है।

31 दिसंबर से पहले अस्तित्व में नहीं आ सके जिले-जिन जिलों और तहसीलों के गठन की प्रक्रिया 31 दिसंबर से पहले पूरी नहीं हो सकी, वे अब जनगणना समाप्त होने तक अस्तित्व में नहीं आ पाएंगे। इससे प्रशासनिक विस्तार की उम्मीद लगाए बैठे क्षेत्रों को बड़ा झटका लगा है।

पुनर्गठन आयोग की प्रक्रिया पर ब्रेक-राज्य प्रशासनिक पुनर्गठन आयोग जिलों में बैठकें कर सर्वे रिपोर्ट की समीक्षा कर रहा था। लेकिन केंद्र के आदेश के बाद आयोग की पूरी प्रक्रिया पर अस्थायी विराम लग गया है।

अब मार्च 2027 के बाद ही उम्मीद-जनगणना टाइमलाइन बनी वजह अगर नए जिले या संभाग बनाए जाने हैं, तो उनकी संभावना अब मार्च 2027 के बाद ही बन सकेगी। इसकी वजह यह है कि देशभर में जनगणना दो चरणों में कराई जाएगी।

दो चरणों में होगी जनगणना-पहला चरण: अप्रैल से सितंबर 2026 , दूसरा चरण: फरवरी 2027 तक पूरा होगा जब तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती, तब तक प्रशासनिक ढांचे में किसी भी तरह का बदलाव संभव नहीं है।

कलेक्टर और संभागायुक्त को सौंपी जिम्मेदारी-राज्य गृह विभाग ने सभी जिलों के कलेक्टरों को जिला जनगणना अधिकारी नियुक्त किया है। वहीं, संभाग स्तर पर यह जिम्मेदारी संभागायुक्तों को दी गई है, ताकि जनगणना प्रक्रिया बिना बाधा पूरी हो सके।

भोपाल कलेक्टर ने की पुष्टि-भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि केंद्र के निर्देश मिलते ही सीमाएं फ्रीज करने की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। सभी जिलों में आदेश का सख्ती से पालन कराया जा रहा है।

लापरवाही पर सख्त सजा का प्रावधान-जनगणना अधिनियम 1948 की धारा 11 के तहत जनगणना कार्य में बाधा डालने या लापरवाही बरतने पर तीन साल तक की जेल और जुर्माने का प्रावधान है।

जनगणना पहले, जिले बाद में-मध्य प्रदेश में नए जिले और तहसील की राजनीति फिलहाल ठहर गई है। सरकार का फोकस अब सिर्फ जनगणना को निष्पक्ष, सटीक और पारदर्शी तरीके से पूरा करने पर है। प्रशासनिक पुनर्गठन की फाइलें अब जनगणना पूरी होने के बाद ही दोबारा खुलेंगी।

तीसरी बार राज्य सभा जाने की जुगत में जुगाड़

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● अगले साल मप्र में राज्यसभा की तीन सीटें खाली हो रही हैं। इनमें से एक सीट पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की है। दिग्विजय सिंह लगातार दो बार से सांसद हैं। सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस अब तीसरी बार उन्हें राज्यसभा भेजने के मूड में नहीं है। इसका संकेत दिग्विजय को मिल गया है। शायद यही वजह है कि गतदिनों सीडब्ल्यूसी की बैठक से पहले भाजपा संगठन की तारीफ कर दिग्विजय सिंह ने राज्यसभा जाने के लिए सियासी जाल बुना है। अब यह लाख टके का सवाल है कि मप्र से कांग्रेस किसको राज्यसभा भेजेगी।

गौरतलब है कि इस साल जून में मप्र से राज्यसभा की तीन सीटें खाली हो रही हैं। इनमें से दो भाजपा की हैं और एक कांग्रेस के दिग्विजय सिंह की है। दिग्विजय सिंह अपना स्वघोषित वनवास समाप्त करने के बाद पिछले 12 साल से राज्यसभा में हैं। क्या कांग्रेस उनको तीसरे कार्यकाल के लिए भेजेगी? हालांकि कांग्रेस कार्य समिति की बैठक से पहले संगठन पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि हम लोगों का तो हो गया लेकिन नए लोगों का क्या होगा इसकी चिंता है। लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि वे राज्यसभा नहीं जाना चाहेंगे। उनकी उम्र 78 साल है और वे पूरी तरह से फिट हैं। 82 साल के मल्लिकार्जुन खड़गे राज्यसभा में पार्टी के नेता और राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। उनके अलावा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के नाम की भी चर्चा है। दशकों में पहली बार ऐसा है कि कमलनाथ या उनके परिवार का कोई सदस्य न तो विधानसभा में है और न संसद में। वे भी अपने बेटे नकुलनाथ के लिए हाथ पैर मारते बताए जा रहे हैं।

दिग्विजय सिंह मप्र के उन नेताओं में शामिल हैं, जिन्होंने खुद के राजनीति में सक्रिय रहते ही अपने बेटे को पार्टी एवं राज्य की राजनीति में स्थापित कर दिया है। उनके बेटा जयवर्धन सिंह गुना जिले की राघौगढ़ सीट से तीसरी बार विधायक हैं। कमलनाथ सरकार में कैबिनेट मंत्री भी रह चुके हैं।

दिग्विजय की गुगली के निकाले जा रहे मायने-राजनीति के मंजे खिलाड़ी कहे जाने वाले दिग्विजय सिंह द्वारा सोशल मीडिया पर फोटो अपलोड कर भाजपा संगठन की तारीफ करने के पीछे राजनीतिक जानकार दिग्विजय सिंह की फेंकी गई गुगली बता रहे हैं। क्योंकि दिग्विजय सिंह अगले साल यानी 21 जून को राज्यसभा का दूसरा कार्यकाल पूरा कर रहे हैं। कांग्रेस में दिग्विजय सिंह इकलौते ऐसे नेता हैं, जो अपने बयान या पोस्ट को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। पूर्व में भी दिग्विजय सिंह विरोधी दल एवं संगठनों को लेकर बयान देकर विवादों में रहते आए हैं। इसके पीछे दिग्विजय सिंह की गहरी राजनीतिक चालें रही हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि दो दिन पहले दिग्विजय सिंह द्वारा एक बेवसाइट से भाजपा नेताओं से जुड़ा फोटो डाउनलोड करके खुद के सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर डाउनलोड करने के साथ भाजपा संगठन की तारीफ करना सहज नहीं है। इसके पीछे भी दिग्विजय सिंह की छिपी हुई गहरी राजनीतिक चाल समझी जा रही है। वे अभी भी पार्टी में आगे की पारी खेलने के इच्छुक हैं। क्योंकि राज्यसभा सांसद के रूप में उनका कार्यकाल अगले साल पूरी होने जा रहा है।

दिग्विजय घर बैठने वाले नेताओं में नहीं-अक्सर राजनीतिक दल राज्यसभा के लगातार दो कार्यकाल के बाद नेताओं को तीसरी बार या उससे आगे मौका देने से परहेज करते रहे हैं। हालांकि कुछ नेताओं के लिए यह अपवाद रहा है। ऐसा माना जा रहा है कि विरोधी दल के संगठन की तारीफ करके दिग्विजय सिंह ने यह साबित करने की कोशिश की है कि उनका अभी भी पार्टी में वजूद है। ऐसे में हो सकता है कि वे तीसरी बार राज्यसभा के लिए निर्वाचित हो जाएं या फिर संगठन में उन्हें कोई में अन्य जिम्मेदारी मिले। राजनीतिक जानकार बताते हैं कि भले हो कांग्रेस पार्टी दिग्विजय सिंह को राज्यसभा के लिए तीसरी बार नहीं भेजे, लेकिन वे राजनीति से संन्यास लेकर घर बैठने वाले नेता नहीं है। राजनीति में करीब 54 साल से सक्रिय दिग्विजय सिंह 78 साल की उम्र में भी काफी सक्रिय हैं। मप्र कांग्रेस के दूसरे अन्य हमउम्र नेताओं में दिग्विजय ही इकलौते ऐसे नेता हैं, जो पार्टी की लगभग हर गतिविधियों में सक्रिय हैं। सोशल मीडिया पर देश एवं प्रदेश की राजनीति में अक्सर सक्रिय रहते हैं। हालांकि मप्र कांग्रेस के एक खेमे के नेता का यह मानना है कि दिग्विजय सिंह ने यूं ही गुगली नहीं फेंकी है। इसके परिणाम तो दूरगामी होंगे।

जिला व सत्र न्यायालय में शासन की ओर से पैरवी करने के लिए जल्द होगी सूची जारी

शामिल नामों पर मंथन का अंतिम दौर चल रहा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● जिला व सत्र न्यायालय में शासन की ओर से पैरवी करने के लिए लोक अभियोजक (जीपी) एवं अतिरिक्त लोक अभियोजक (एजीपी) की सूची जारी किए जाने की तैयारी है। जिला व सत्र न्यायालय में एक जीपी और लगभग 36 एजीपी पदस्थ किए जाना हैं। इसके लिए लंबे समय से कवायद चल रही है। इस नई टीम में आने के इच्छुक वकीलों से पिछले दिनों आवेदन भी मंगवाए गए थे, जिसमें बड़ी संख्या में आवेदन भरे गए थे। जानकार सूत्रों ने बताया कि अभी तक हाईकोर्ट के सरकारी वकीलों की सूची अटकी होने होने के कारण इन आवेदनों पर विचार नहीं हो पाया था।

अब चूंकि यह सूची आ चुकी है, इसके बाद अब जिला कोर्ट की भी नई सूची जल्द जारी किए जाने की संभावना है। इसमें शामिल किए जाने वाले नामों पर मंथन का अंतिम दौर चल रहा है। सूत्रों का दावा है कि जिस तरह हाईकोर्ट में पुरानी टीम को लगभग बदल दिया गया है, इसी तरह यहां भी एजीपी के लिए अधिकांश नाम नए ही रहेंगे। जिला लोक अभियोजक के लिए भी हालांकि कई वकील प्रयास रहते हैं। उम्मीद की जा रही है कि यह सूची जनवरी के पहले पखवाड़ा तक आ सकती है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में हाईकोर्ट में अतिरिक्त महाधिवक्ता एवं सरकारी वकीलों की सूची जारी हो चुकी है।

कामकाज 5 जनवरी से ही शुरू होगा-जिला न्यायपालिका में 2 जनवरी को भी अवकाश रहेगा। उच्च न्यायालय प्रशासन द्वारा जारी सूचना के मुताबिक इस छुट्टी के एवज में आगामी 17 जनवरी शनिवार को कार्य दिवस घोषित किया गया है। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में कोर्ट में शीतकालीन अवकाश चल रहे हैं। पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार जिला न्यायालय में 2 जनवरी को कार्य दिवस घोषित था, लेकिन अब उक्त दिन भी अवकाश घोषित होने के बाद जिला न्यायालय में भी सामान्य कामकाज 5 जनवरी से ही शुरू होगा।

पितृ पर्वत पर भी एक लाख से अधिक भक्तों का उमड़ा सैलाब

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● विश्व प्रसिद्ध दर्शनीय तीर्थस्थल पितृ पर्वत भी अंग्रेजी नववर्ष के पहले दिन एक लाख से अधिक भक्तों के लिए आस्था और श्रद्धा का केंद्र बना रहा। सुबह से देर रात तक पितृ पर्वत और मंदिर के गर्भ गृह से लेकर मुख्य प्रतिमा के दर्शन हेतु भक्तों का अखंड सैलाब दिनभर बना रहा। यहाँ भक्तों की आस्था का आलम यह था कि जितने दर्शन ऊपर थे, उससे कहीं अधिक नीचे प्रतीक्षा करते रहे और यह स्थिति दिनभर बनी रही। इस दौरान कई बार पुलिसकर्मियों को भी भक्तों से मनोहर करना पड़ी। पितृ पर्वत की व्यवस्था संभाल रहे महेश दलोदरा एवं राजेश जोशी ने बताया कि भक्तों की इतनी उपस्थिति को देखकर तत्काल खिचड़ी प्रसाद

वितरण की व्यवस्था की गई और करीब एक लाख भक्तों को पूरे समय प्रसाद वितरण किया गया। अंग्रेजी नए वर्ष के उपलक्ष्य में भक्तों के आगमन को देखते हुए गर्भ गृह एवं मुख्य प्रतिमा का विशेष श्रृंगार भी आकर्षण का केंद्र बना रहा।

अब प्रदेश के सभी आईएएस आईपीएस अफसरों को देना होगा प्रॉपर्टी का ब्यौरा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● पुराना साल खत्म होते ही प्रदेश के सभी आईएएस, आईपीएस और आईएफ एस अधिकारियों के लिए अपनी अचल संपत्ति का ब्यौरा देना अनिवार्य कर दिया गया है। इन अधिकारियों को 1 जनवरी से 31 जनवरी के बीच पोर्टल पर अपनी संपत्ति की जानकारी ऑनलाइन अपलोड करनी होगी। निर्धारित समय-सीमा में जानकारी नहीं देने पर इसका असर अधिकारियों के प्रमोशन पर पड़ेगा।

डीओपीटी, डिपार्टमेंट ऑफ पर्सनल ट्रेनिंग मंत्रालय के आदेश के बाद राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग, जीएडी ने प्रदेश के सभी अधिकारियों के लिए वार्षिक अचल संपत्ति विवरण पत्र साल 2025 ऑनलाइन पेश करना अनिवार्य कर दिया है। यह विवरण 1 जनवरी 2026 की स्थिति में तैयार किया जाएगा। जीएडी द्वारा जारी आदेश के अनुसार अखिल भारतीय सेवा, आचरण नियम 1968 के नियम 16-2 के तहत प्रत्येक अधिकारी को प्रतिवर्ष अपनी अचल संपत्ति का विवरण देना अनिवार्य है। भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार यह प्रक्रिया पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन पूरी की जाएगी।

जीएडी ने जारी में आईपीआर पेश नहीं किए निर्देश-आईपीआर नहीं किया तो होगी कार्रवाई: जीएडी के निर्देश में कहा गया है कि सभी संबंधित अधिकारी 1 जनवरी से 31 जनवरी 2026 के बीच अनिवार्य रूप से वेबसाइट पर लॉगिन कर आईपीआर ऑनलाइन भरें। यदि निर्धारित समय-सीमा का पालन नहीं किया जाता है, तो भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार संबंधित अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी विभागाध्यक्षों को इन निर्देशों का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए हैं। यही व्यवस्था प्रदेश के सभी आईपीएस और आईएफ एस अधिकारियों पर भी लागू होगी। अखिल भारतीय सेवा के इन अधिकारियों को 31 जनवरी तक देश-विदेश में स्वयं तथा पत्नी या पति के नाम पर मौजूद अचल संपत्तियों का विवरण देना होगा।

मंत्री स्टाफ और मंत्रालय कर्मचारियों से भी मांगा संपत्ति ब्यौरा

वहीं एक अन्य आदेश में जीएडी ने मंत्रालय में पदस्थ सभी तृतीय श्रेणी मंत्रालयीन कर्मचारी, सहायक अनुभाग अधिकारी, सहायक ग्रेड-2, सहायक ग्रेड-3, निज सहायक, शीघ्र लेखक, स्टेनोटाइपिस्ट, तकनीकी संवर्ग तथा मंत्री स्थापना में पदस्थ सभी तृतीय श्रेणी मंत्रालयीन कर्मचारियों से भी 31 जनवरी तक अपनी संपत्ति का विवरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। हालांकि इस आदेश में मंत्रालय सेवा के उप सचिव और अपर सचिव स्तर के अधिकारियों का उल्लेख नहीं किया गया है।

ईओडब्ल्यू ने 2.56 करोड़ के घोटाले में मनीष और नेहा तांबी, बैंक प्रबंधक, पैनल वकील पर किया केस

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर ने नए साल की शुरूआत फिर धोखाधड़ी के केस में खात्रक दर्ज करके की है। केनरा बैंक शाखा नवलखा में 2 करोड़ 56 लाख रुपए की धोखाधड़ी हुई। मेसर्स लक्ष्य इक्विपमेंट एण्ड इंजीनियरिंग के प्रोप्राइटर, शाखा प्रबंधक और पैनल एडवोकेट पर एफआईआर दर्ज की गई है। तांबी दंपती ने पहले से बिक चुके फ्लैट को बंधक बताकर लोन लिया। लोन भी उस व्यावसायिक यूनिट के लिए लिया गया जो अस्तित्व में नहीं थी। इसमें तत्कालीन बैंक प्रबंधक और पैनल वकील की भी मिलीभगत थी।

इन आरोपियों पर किया गया केस-1. नेहा तांबी मेसर्स लक्ष्य इक्युपमेंट एण्ड इंजिनियरिंग (प्रोपराइटर) 2. मनीषी तांबी पिता भूपेन्द्र ताम्बी (ग्यारान्टर) 3. पवन कुमार झा (तात्कालीन मुख्य प्रबंधक)4. विकास कुमार वर्मा (पैनल एडवोकेट)

इनके खिलाफ धारा 420, 467, 468, 471, 120B और भ्रष्टाचार निवारण संशोधन अधिनियम 2013 की धारा 7(C) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

आरोपियों ने बिकी संपत्ति को ही रखवा दिया बंधक-EOW की जांच में पता चला कि नेहा और मनीष तांबी ने बैंक में लोन के लिए ऐसी संपत्ति बंधक रखी, जिसे वे पहले ही बेच चुके थे। इस तरह केनरा बैंक शाखा नवलखा को 2 करोड़ 56 लाख रुपए की धोखाधड़ी कर क्षति पहुंचा गई। इसके लिए तत्कालीन शाखा प्रबंधक पवन कुमार झा ने स्थल निरीक्षण की गलत रिपोर्ट दी।

रिपोर्ट में संपत्ति को विवादरहित एवं औद्योगिक यूनिट को संचालित होना बताया गया। बैंक के सर्च एडवोकेट विकास कुमार वर्मा ने लीगल स्क्रूटनी रिपोर्ट में तथ्यों को छुपाकर उक्त संपत्ति को वैध और बंधक योग्य बताया। इसके बाद लोन की राशि मेसर्स ब्लू चिप इक्विपमेंट एण्ड इंजीनियरिंग प्रालि. के खाते में राशि स्थानांतरित की गई। इसमें मनीष ताम्बी डायरेक्टर हैं। इस प्रकार फंड का डायवर्जन किया गया।

जिस यूनिट के लिए लोन बताया, वह है ही नहीं-जांच में यह पाया गया कि जिस व्यवसायिक यूनिट के लिए लोन लेना बताया वह तो अस्तित्व में है ही नहीं है। इसके बाद भी ओसीसी खाते से संदिग्ध लेन-देन कर ऋण राशि का डायवर्जन किया गया है। मेसर्स लक्ष्य इक्विपमेंट एण्ड इंजीनियरिंग के खाते से मेसर्स ब्लू चिप इक्विपमेंट एण्ड इंजीनियरिंग प्रा.लि. के खाते में राशि स्थानांतरित की गई। इसमें मनीष तांबी डायरेक्टर है तथा दोनों फर्मो का व्यवसायिक पता समान पाया गया।

जांच के दौरान यह भी पाया गया

जांच में पाया गया कि नेहा तांबी ने 3 अक्टूबर 2020 को 1.70 करोड़ की सीसी लिमिट के लिए आवेदन किया था। वे मेसर्स लक्ष्य इक्विपमेंट एण्ड इंजीनियरिंग की प्रोप्राइटर हैं। यह आवेदन विनिर्माण इकाई प्लॉट क्रमांक 311, इंडस्ट्रियल ग्रोथ सेंटर, पीथमपुर, जिला धार में शीट मेटल कार्यों के लिए था। इसके लिए फ्लैट 402 क्लासिक क्राउन, 5/2 ओल्ड पलासिया की रजिस्ट्री बंधक रखी गई। शाखा प्रबंधक और पैनल अधिवक्ता विकास वर्मा ने इसे बंधक योग्य बताया। हालांकि, यह संपत्ति (फ्लैट) 2007 में बिक चुकी थी। यह संपत्ति पहले से बैंक ऑफ इंडिया, कंचन बाग शाखा में बंधक होकर एनपीए घोषित हो चुकी थी और सीज कर दी गई थी। इसके बावजूद उसी संपत्ति के कूट-रचित दस्तावेजों का उपयोग कर केनरा बैंक से ऋण प्राप्त किया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : अक्षय तिवारी द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरुद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।